दैनिक

छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

इंदौर स्वीट्स

नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी

हमारा विश्वास हैं

एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...

पावर हाऊस रोड, कोरबा

फोन-222833,222733

वर्ष 25 अंक 300 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये   मंगलवार 03 फरवरी 2026   डाक-बुधवार 04 फरवरी 2026   chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

लोकसभा में विपक्ष का हंगामा, मोदी के खिलाफ नारे लगे

नई दिल्ली ,03 फरवरी (एजेंसी)। बजट सत्र के पांचवें दिन लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई और 8 मिनट ही चली। विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगाए।

लोकसभा स्पीकर ने विपक्षी सांसदों से कहा- प्रश्नकाल के दौरान नारेबाजी का क्या मतलब है। इसके बावजूद विपक्ष लगातार हंगामा करता रहा। स्पीकर ने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी।

इधर, अमेरिका से ट्रेड डील पर मंगलवार सुबह एनडीए की संसदीय दल की बैठक में पीएम मोदी का स्वागत किया गया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा

एनडीए बैठक में मोदी का स्वागत

कि यह अद्भुत और ऐतिहासिक है।

वहीं विपक्ष अमेरिका-भारत ट्रेड डील पर पीएम पर सवाल उठा रहा है। कांग्रेस ने कहा- सीजफायर (ऑपरेशन सिंदूर) की ही तरह ट्रेड डील की घोषणा राष्ट्रपति ट्रम्प ने की। पीएम मोदी ने हार मान ली है। संसदीय कार्य मंत्री किरेण रिजिजू ने कहा- राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा अभी जारी है। लोकसभा में इसकी शुरुआत अच्छी रही थी, लेकिन राहुल गांधी की वजह से पूरी बहस बाधित हो गई थी। राज्यसभा में भी अच्छी चर्चा हुई है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को समझदारी दिखानी चाहिए। मुझे उम्मीद है कि आज वे अपने तौर-तरीकों में सुधार करेंगे। वे बहस में ठीक से बात नहीं रखते, लेकिन उन्हें दूसरों को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए। कांग्रेस और विपक्ष में कई ऐसे सांसद हैं जो अच्छी बहस करते हैं, अच्छे सुझाव देते हैं और बोलना चाहते हैं, लेकिन राहुल गांधी की वजह से उनका समय भी बर्बाद हो रहा है।

पश्चिम बंगाल में ईडी का बड़ा एक्शन कोलकाता-दुर्गापुर सहित नौ ठिकानों पर छापामारी

कोलकाता ,03 फरवरी (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में कोयला तस्करी से जुड़े मामले की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार 3 फरवरी 2026 की सुबह एक बार फिर बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू की। केंद्रीय जांच एजेंसी की टीमों ने कोलकाता, दुर्गापुर, आसनसोल और बर्द्धमान समेत राज्य के कुल नौ ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया।

सूत्रों के मुताबिक, इस कार्रवाई का उद्देश्य कोयला तस्करी से अर्जित अवैध धन के लेन-देन की कड़ियों को खंगालना है। ईडी को आशंका है कि तस्करी से जुटाई गई रकम को हवाला नेटवर्क के माध्यम से इधर-उधर किया गया है। इसी संदेह के

आधार पर एजेंसी डिजिटल रिकॉर्ड और अहम दस्तावेजों की गहन जांच कर रही है।

कोलकाता के अलावा दुर्गापुर में भी ईडी की टीमें सक्रिय हैं। मंगलवार सुबह करीब छह बजे से सेपको टाउनशिप में एक बालू कारोबारी के आवास पर छापेमारी की जा रही है। वहीं, सिटी सेंटर इलाके में आंबेडकर सरणी स्थित एक संदिग्ध मकान की तलाशी ली जा रही है। पांडवेश्वर और कांकसा में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 के समीप स्थित परिसरों पर भी जांच एजेंसी ने दबिश दी है। जांच के दौरान सामने आया है कि संबंधित कारोबारी अजय और दामोदर नदियों से बालू खनन के काम से जुड़े हुए हैं। आरोप है कि वैध टेंडर का सहारा लेकर बड़े पैमाने पर अवैध बालू खनन किया गया। एक ही चालान को बार-बार इस्तेमाल कर बालू की ढुलाई की गई। बीरभूम जिले के चालान दिखाकर पश्चिम बर्द्धमान जिले से अवैध रूप से बालू की तस्करी किए जाने की बात भी जांच में सामने आई है।

ईडी का कहना है कि इन गैरकानूनी गतिविधियों के जरिए कारोबारियों ने कम समय में भारी संपत्ति जुटाई है। फिलहाल तलाशी अभियान जारी है और कई अहम दस्तावेजों के जब्त किए जाने की सूचना है।

प्रथमेश

शेख हसीना को 10 साल की जेल, भतीजी ट्यूलिप सिद्दीक को भी मिली सजा, बांग्लादेश कोर्ट का बड़ा फैसला

ढाका ,03 फरवरी (एजेंसी)। बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव होने वाले हैं। चुनाव से पहले बांग्लादेश की एक अदालत ने सोमवार को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को सरकारी आवास परियोजना में भूमि आबंटन में कथित अनियमितताओं से जुड़े दो अलग-अलग भ्रष्टाचार मामलों में 10 साल की जेल की सजा सुनाई। ढाका विशेष न्यायाधीश न्यायालय-4 के न्यायाधीश रबीउल आलम ने फैसला सुनाते हुए हसीना को कुल 10 साल की कैद की सजा दी। प्रत्येक मामले में 5-5 साल की सजा सुनाई गई। रिपोर्ट के अनुसार, अदालत ने 78 वर्षीय शेख हसीना, उनके भतीजे रादवान मुजीब सिद्दीक (रादवान मुजीब सिद्दीक बॉबी), भतीजियों ट्यूलिप रिजवाना सिद्दीक (ब्रिटिश सांसद) और अजमीना सिद्दीक तथा अन्य को पुरबाचोल (पुर्बाचल) में राजुक न्यू टाउन प्रोजेक्ट के तहत भूखंडों के आबंटन में कथित अनियमितताओं के मामलों में सजा सुनाई है। ट्यूलिप सिद्दीक को कुल 4 साल की कैद की सजा सुनाई गई (प्रत्येक मामले में 2 साल), जबकि रादवान मुजीब सिद्दीक और अजमीना सिद्दीक को दोनों मामलों में 7-7 साल की कैद की सजा दी गई। वहीं कोर्ट में अदालत के सामने आत्मसमर्पण करने वाले एकमात्र आरोपी मोहम्मद खुर्शीद आलम को प्रत्येक मामले में एक-एक साल की कैद की सजा सुनाई गई है। यानी कुल मिलाकर 2 साल की सजा सुनाई गई है।

दर्दनाक हादसा : उत्तराखंड में खाई में गिरी हिमाचल रोडवेज की बस, 3 की मौत-कई घायल, रेस्क्यू जारी

देहरादून ,03 फरवरी (एजेंसी)। मंगलवार सुबह हिमाचल प्रदेश के चौपाल-नेरवा से पांवटा जा रही एचआरटीसी की एक बस क्वानू के पास अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग गंभीर रुप से घायल हो गए।

यह बस सुबह साढ़े छह बजे चौपाल डिपो से पहले नेहवा पहुंची और उसके बाद मीनस-क्वानू- हरिपुर रूट से पांवटा जा रही थी। बस में तीस से अधिक लोग सवार बताए जा रहे हैं। घटना सुबह करीब दस बजे की बताई जा रही है।

मीनस-क्वानू- हरिपुर मार्ग पर सुदोई खड्ड के पास ट्रक को साइड देने के चक्कर में सड़क का पुश्ता धंसने से सवारियों से भरी एचआरटीसी की बस खाई में कई पलटे खाने के बाद सीधे खड्ड में जा गिरी। स्थानीय लोग राहत एवं बचाव कार्य के लिए मौके पर जुटे हैं। घटना की सूचना से पुलिस प्रशासन व एसडीआरएफ की टीम मौके के लिए रवाना हो गई।

नहीं मानेंगे इंटरनेशनल कोर्ट का आदेश, सिंधु जल संधि पर भारत ने पाकिस्तान को दिखाया आईना

नई दिल्ली ,03 फरवरी (एजेंसी)। पाकिस्तान सिंधु जल संधि पर कोर्ट-कोर्ट खेल रहा है। दूसरी ओर भारत का रुख पहले से ही स्पष्ट है। अब भारत ने सिंधु जल संधि से जुड़े अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के आदेश को स्पष्ट रूप से मानने से इनकार कर दिया है। भारत का कहना है कि यह कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन अवैध रूप से गठित है और इसके आदेशों को भारत मान्यता नहीं देता। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय अदालत ने भारत को निर्देश दिया था कि वह अपने जलविद्युत संयंत्रों के परिचालन रिकार्ड (विशेष रूप से बगलिहार और किशनगंगा परियोजनाओं के पोंडेज लॉगबुक) प्रस्तुत करे, ताकि आगे की सुनवाई में इनका उपयोग किया जा सके। अदालत ने नौ फरवरी, 2026 तक इन दस्तावेजों को सौंपने या अनुपालन न करने पर औपचारिक स्पष्टीकरण देने का आदेश दिया है। दरअसल, हेग स्थित मध्यस्थता

न्यायालय सिंधु जल संधि के ढांचे के तहत नई सुनवाई और दस्तावेज आदेशों के साथ आगे बढ़ रहा है, लेकिन भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इन कार्यवाहियों की वैधता को मान्यता नहीं देता और इनमें भाग नहीं लेगा।

बता दें कि विवाद का मुख्य केंद्र बिंदु सिंधु जल संधि के तहत गठित मध्यस्थता न्यायालय द्वारा पिछले सप्ताह जारी किया गया एक आदेश है, जिसमें भारतीय जलविद्युत संयंत्रों से संबंधित पोंडेज लॉगबुक को गुण-दोष पर दूसरे चरण के हिस्से के रूप में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। गौरतलब है कि कोर्ट ने यह भी दर्ज किया है कि भारत ने कोई प्रति-स्मृति पत्र दाखिल नहीं किया है और न ही भागीदारी का कोई संकेत दिया है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि 'तथाकथित अवैध रूप से गठित मध्यस्थता न्यायालय (तटस्थ विशेषज्ञ के अलावा) समानांतर कार्यवाही जारी रखे हुए है। चूंकि हम मध्यस्थता न्यायालय की वैधता को मान्यता नहीं देते, इसलिए हम इसके किसी भी संचार का जवाब नहीं देते। इसके अलावा, क्योंकि सिंधु जल संधि स्थगित है, इसलिए भारत जवाब देने के लिए बाध्य नहीं है। बता दें कि भारत ने अप्रैल में पहलगाम में हुए हमले के बाद औपचारिक रूप से सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया। तब से ही इस मुद्दे को लेकर पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गाल बजा रहा है।

जशपुरनगर में हाथ ठेला से बुजुर्ग महिला को लेकर पहुंचे अस्पताल, वीडियो हो रहा वायरल

जशपुरनगर,03 फरवरी (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो मे शहर के कुछ लोग एक बुजुर्ग बीमार महिला को हाथ ठेला मे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो मे दावा किया जा रहा है कि 108 से एम्बुलेंस ना मिल पाने के कारण, मरीज की जान बचाने के लिए यह कदम

उठाना पड़ा। वहीं सीएमएचओ डॉ जीएस जात्रा का कहना है कि तकनीकी कारणों से ऐसी स्थिति बनी और महिला का उपचार जारी है। बुजुर्ग महिला को अस्पताल पहुंचाने वाले शहर के दरबारी टोली निवासी वेद प्रकाश तिवारी ने नई दुनिया को बताया कि बुजुर्ग महिला का नाम रजनी होता, 70 वर्ष हैं।

वे जिला चिकित्सालय के पास मे ही रहती हैं। परिवार मे किसी के ना होने के कारण अकेले ही घर मे रहती हैं। उन्होंने बताया कि रविवार की रात लगभग 7 से 8 बजे के बीच रजनी होता को सिर मे तेज दर्द के साथ उलटी होने लगी। आसपास के लोगों ने उन्हें इसकी सूचना दी। वे शंकर तामरकार, विशाल नायक, मंगल पांडे और राजेश गुप्ता के साथ महिला के घर पहुँचे और अस्पताल ले जाने के लिए 108 से सहायता मांगी। लेकिन काफ़ी कोशिशों के बाद भी उन्हें 108 से सहायता नहीं मिल पाई। इस पर उन्होंने बुजुर्ग महिला की जान बचाने के लिए पास मे खड़े हुए एक हाथ ठेला मे बैठा कर जिला चिकित्सालय पहुंच गए। इस मामले मे नईदुनिया ने जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जीएस जात्रा से चर्चा की। उन्होंने बताया कि कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देश पर वे स्वयं बुजुर्ग महिला के घर के पास जा कर 108 को मोबाइल से कॉल करके चेक किया था। इस पर काल तत्काल कनेक्ट हुआ और उन्हें रिस्पॉन्स भी मिला। डॉ जात्रा का कहना था कि कभी कभी पिक ऑवर मे लाइन के व्यस्त होने से तकनीकी परेशानी आती है। उन्होंने बताया कि महिला का जिला चिकित्सालय मे महिला का उपचार जारी है। रक्त दाब (बीपी) बढ़ जाने के कारण महिला को परेशानी हो रही थी।

ट्रंप का दावा, रूस से तेल खरीद रोकने, अमरीका से आयात में भारी वृद्धि के लिए तैयार है भारत

वाशिंगटन,03 फरवरी (एजेंसी)। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से साथ टेलीफोन वार्ता के बाद कहा कि भारत अमरीका से आयात में भारी वृद्धि करने, अमरीकी सामानों पर आयात शुल्क 'शून्य' करने तथा रूस से कच्चे तेल की खरीद बंद करने पर सहमत हो गया है, और बदले में अमरीका भारतीय उत्पादों पर 'तत्काल प्रभाव से' आयात शुल्क घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर व्यापार समझौते की घोषणा करते हुए पीएम मोदी को अपना 'सबसे अच्छा मित्र' बताते हुए लिखा कि वह रूस से कच्चे तेल की खरीद बंद करने और अमेरिका, तथा संभवतः वेनेजुएला, से खरीद बढ़ाने पर सहमत हो गये हैं जिससे यूक्रेन युद्ध समाप्त करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि अमरीका तत्काल प्रभाव से भारतीय उत्पादों पर प्रतिवर्ती आयात शुल्क 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा। बदले में भारत 'अमरीकी उत्पादों पर आयात शुल्क और आयात बाधाओं को घटाकर शून्य' कर देगा। अमरीकी राष्ट्रपति ने कहा कि पीएम मोदी इस बात पर सहमत हुए कि भारत ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि, कोयला और अन्य क्षेत्रों में 500 अरब डॉलर के अमरीकी उत्पाद खरीदने के अलावा अमेरिका से आयात बढ़ाएगा। अमरीका की कृषि मंत्री ब्रूक रोलिंस ने इस समझौते की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि इससे भारत के विशाल बाजार में अमरीकी कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ेगा, जिससे दाम बढ़ेंगे और अमरीका के ग्रामीण इलाकों में आमदनी बढ़ेगी।

छत्तीसगढ़ में रेलवे का बढ़ रहा दायरा, दो साल में दोगुनी हो जाएंगी पैसेंजर ट्रेनें, बजट में 24 गुना की रिकॉर्ड बढ़ोतरी

रायपुर,03 फरवरी (एजेंसी)। प्रदेश में में रेलवे का दायरा बढ़ रहा है। रेलवे के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार ने बजट में 7,470 करोड़ का प्राविधान किया है। इस वर्ष राज्य के लिए 7,470 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जो 2009-14 के औसत बजट 311 करोड़ की तुलना में 24 गुना अधिक है। इस ऐतिहासिक पूंजी निवेश से राज्य में कुल 51,080 करोड़ की रेल परियोजनाएं गति पकड़ रही हैं।

छत्तीसगढ़ में रेल आवागमन को नई रफ्तार मिलने जा रही है। केंद्र सरकार ने रेलवे बजट में राज्य को 7470 करोड़ रुपये की बड़ी सौगात दी है। इसके साथ ही प्रदेश में पहले से चल रहे 51 हजार करोड़ रुपये से अधिक के रेलवे प्रोजेक्ट भी तेजी से पूरे किए जा रहे हैं। इन योजनाओं के धरातल पर उतरते ही अगले दो वर्षों में छत्तीसगढ़ में पैसेंजर ट्रेनों की संख्या लगभग दोगुनी हो जाएगी।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल राज्य में प्रतिदिन चलने वाली पैसेंजर ट्रेनों से करीब 70 हजार यात्री रोजाना सफर कर रहे हैं। ट्रेनों की संख्या बढ़ने से न केवल यात्रियों को सीट की सुविधा मिलेगी, बल्कि सड़क यातायात का दबाव भी कम होगा। इससे सड़क जाम, दुर्घटनाओं और मौत के मामलों में भी कमी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

छत्तीसगढ़ में रायपुर, भिलाई, दुर्ग, राजनांदगांव, बिलासपुर, कोरबा, महासमुंद जैसे शहरों से बड़ी संख्या में लोग

रोजाना नौकरी और व्यापार के लिए एक-दूसरे शहरों की यात्रा करते हैं। अनुमान है कि वर्तमान में करीब 40 प्रतिशत यात्री मजबूरी में खड़े होकर सफर कर रहे हैं। नई पैसेंजर ट्रेनों के शुरू होने से यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी और रेल यात्रा को लोग प्राथमिकता देंगे।

वर्तमान स्थिति की बात करें तो छत्तीसगढ़ में कुल 216 ट्रेनें संचालित हो रही हैं। इनमें 162 मेल-एक्सप्रेस और 54 पैसेंजर ट्रेनें शामिल हैं। रेलवे की योजना के अनुसार अगले दो साल में पैसेंजर ट्रेनों की संख्या बढ़ाकर लगभग दोगुनी की जाएगी। इसके साथ ही यात्रियों की संख्या में करीब 50 प्रतिशत तक इजाफा होने का अनुमान है। रेलवे के 51 हजार करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स में नई रेल लाइनें, दोहरीकरण, विद्युतीकरण, स्टेशन विस्तार और आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से दूर-दराज के इलाकों को सीधी रेल कनेक्टिविटी मिलेगी, जिससे रोजगार, व्यापार और औद्योगिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

वहीं रावघाट रेल परियोजना भी तेजी से पूरा किया जा रहा है रेलवे अधिकारियों के अनुसार वर्तमान में लगभग 90 फीसदी काम पूरा हो चूका है।सड़क पर दबाव होगा कम-जैसे-जैसे पैसेंजर ट्रेनों की संख्या बढ़ेगी, लोग बस और निजी वाहनों के बजाय ट्रेन को प्राथमिकता देंगे। इससे हाईवे और शहरों की सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और सुरक्षित यात्रा को बढ़ावा मिलेगा।

बदला मौसम का मिजाज, सुबह-शाम ठंड; दिन में तेज धूप; अगले 5 दिनों तक कोई बदलाव नहीं

रायपुर,03 फरवरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज इन दिनों बदला-बदला नजर आ रहा है। सुबह और रात में ठंड का अहसास बना हुआ है, जबकि दोपहर में तेज धूप लोगों को गर्मी का एहसास करा रही है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अगले पांच दिनों तक मौसम का यही ट्रेंड बने रहने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में मौसम पूरी तरह शुष्क रहा। कहीं भी बारिश दर्ज नहीं की गई। दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी देखी जा रही है, जिससे दोपहर के समय गर्माहट महसूस हो रही है, लेकिन सूरज ढलते ही ठंड फिर से असर दिखा रही है। राजधानी में अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर दर्ज किया गया, जिससे दिन में धूप चुभने लगी है। वहीं न्यूनतम तापमान अभी भी ऐसा है कि सुबह हल्की ठंड महसूस हो रही है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि हवा की गति कम होने और आसमान साफ रहने की वजह से दिन और रात के तापमान में अंतर बढ़ गया है। प्रदेश के उत्तरी हिस्सों, खासकर अंबिकापुर और आसपास के इलाकों में सुबह के समय ठंड का असर ज्यादा बना हुआ है। वहीं रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर और जगदलपुर जैसे मैदानी इलाकों में दोपहर के समय धूप तेज हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में किसी बड़े सिस्टम के सक्रिय नहीं होने के कारण मौसम शुष्क ही बना रहेगा।रायपुर शहर में सुबह हल्की धुंध या ठंडक महसूस हो सकती है। दिन चढ़ने के साथ धूप तेज रहेगी। अधिकतम तापमान 30 से 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 15 से 17 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रह सकता है।मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल तापमान में किसी बड़े उतार-चढ़ाव के संकेत नहीं हैं।

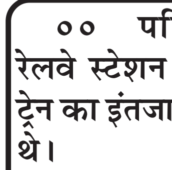

वाह वाह

०० पति-पत्नी रेलवे स्टेशन पर खड़े ट्रेन का इंतजार कर रहे थे।

तभी एक गाड़ी आई जिस पर लिखा था...

बॉम्बे मेल- पति भाग कर गाड़ी में चढ़ गया।

बीवी से बोला- जब बॉम्बे फीमेल आये तो तू भी चढ़ जाना।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना: निगम क्षेत्र में 15 फरवरी तक चलेगा योजनांतर्गत विशेष पंजीकरण अभियान

अभियान के अंतर्गत नगरीय निकायों, कामन सर्विस सेंटर के माध्यम से किया जाएगा आन द स्पाट पंजीकरण

कोरबा (छ.ग.गौरव)। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना एवं एन.पी.एस. टेड्डर्स योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु कोरबा नगर निगम क्षेत्र में 15 फरवरी तक विशेष पंजीकरण अभियान संचालित किया जा रहा है, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना असंगठित क्षेत्र से संबंधित उन श्रमिकों के लिए 60 वर्ष की आयु के बाद 3000 रूपये की न्यूनतम मासिक पेंशन सुनिश्चित करती है, जिनकी मासिक आय 15 हजार रूपये तक है। आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने आदेश जारी कर निगम के उपायुक्त श्री पवन वर्मा को योजना का नोडल अधिकारी नियुक्त कर उन्हें श्रम आयुक्त कोरबा से समन्वय स्थापित कर शासन के निर्देशानुसार योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु त्वरित रूप से आवश्यक कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए हैं।

नगर पालिक निगम कोरबा में योजना के नोडल अधिकारी उपायुक्त श्री पवन वर्मा ने बताया कि भारत सरकार द्वारा भारत के असंगठित श्रमिकों के लिए वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के मद्देनजर जनकल्याणकारी योजना प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना का संचालन देश में किया जा रहा है, यह योजना केन्द्र सरकार द्वारा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने तथा श्रमिकों को बुढापे में मासिक पेंशन सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई एक स्वेच्छिक और अंशदायी पेंशन योजना है, यह योजना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए एक सम्मान है, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 50 प्रतिशत का योगदान करते हैं। ई-श्रम पोर्टल के अनुसार 31 दिसम्बर 2024 तक 30 करोड़ 51 लाख से ज्यादा असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले मजदूर पंजीकृत हैं, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना असंगठित क्षेत्र के इन श्रमिकों के लिए बुढापे में वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए अनेक लाभ प्रदान करती है। योजना के अंतर्गत श्रमिकों के पंजीकरण हेतु विशेष अभियान शहरी क्षेत्रों में 15 जनवरी से 15 फरवरी तक चलाया जा रहा है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में 16 फरवरी से 15 मार्च तक विशेष पंजीकरण अभियान चलाया जाएगा।

असंगठित क्षेत्र के इन कामगारों को किया गया योजना में शामिल- असंगठित क्षेत्र के कामगारों में ज्यादातर घर में काम करने वाले मजदूर, रेहणी पटरी वाले, मिड डे मील वर्कर, सिर पर बोझा ढोने वाले, ईंट भट्ठा मजदूर, मोची, कूडा बीनने वाले मजदूर, घरेलू कामगार, धोबी, रिक्शा चालक, भूमिहीन मजदूर, कृषि मजदूर, निर्माण स्थल पर काम करने वाले मजदूर, बीडी मजदूर, हथकरघा मजदूर, चमड़ा मजदूर, आडियो विजुअल मजूदर या इसी तरह के दूसरे कामों में लगे हुए कामगार शामिल हैं।

स्वेच्छिक एवं अंशदायी सुनिश्चित पेंशन योजना- प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना स्वेच्छिक योजना है, जो श्रमिकों को उनकी सामर्थ और आवश्यकता के आधार पर अंशदान करने की सुविधा प्रदान करती है तथा इसमें सरकारी अंशदान के रूप में केन्द्र सरकार के द्वारा श्रमिक के द्वारा किए गए अंशदान के बराबर अंशदान जमा कराया जाता है, योजना अंतर्गत 18 वर्ष आयु हेतु 55 रूपये, 20 वर्ष हेतु 65 रूपये, 25 वर्ष हेतु 80 रूपये, 30 हेतु 105 रूपये, 35 वर्ष हेतु 150 रूपये तथा 40 वर्ष की आयु वाले श्रमिकों हेतु 200 रूपये मासिक अंशदान जमा करने का प्रावधान हैं, वहीं इसी के समान अंशदान भारत सरकार द्वारा भी जमा कराया जाता है, लाभार्थी की आयु 60 वर्ष होने के बाद उसे जीवन भर 300 रूपये प्रतिमाह की निश्चित पेंशन मिलने शुरू हो जाती है, यदि लाभार्थी की मृत्यु हो जाती है तो पति या पत्नी को पेंशन राशि का 50 प्रतिशत पारिवारिक पेंशन के रूप में प्राप्त होता है।

योजना में पंजीकरण हेतु पात्रता- प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना में पंजीकरण हेतु श्रमिक की आयु 18 से 40 वर्ष होनी चाहिए तथा उसकी मासिक आय 15 हजार रूपये या उससे कम होनी चाहिए, इसके साथ ही उन्हें असंगठित क्षेत्र में उपरोक्तानुसार व्यवसायों का श्रमिक होना भी आवश्यक है। श्रमिक को कर्मचारी भविष्यनिधि, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, राष्ट्रीय पेंशन योजना आदि के अंतर्गत कवर नहीं होना चाहिए, उन्हें आय करदाता भी नहीं होना चाहिए तथा किसी अन्य सरकारी पेंशन योजना का लाभ उन्हें नहीं प्राप्त हो रहा है, यह सुनिश्चित करना चाहिए।

कामन सर्विस सेंटर में पंजीकरण सुविधा उपलब्ध- प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना में पंजीकरण की सुविधा सभी कामन सर्विस सेंटर के माध्यम से उपलब्ध है, पंजीकरण के इच्छुक श्रमिक आधार कार्ड और बचत बैंक खाता पासबुक के साथ किसी भी कामन सर्विस सेंटर में जाकर पंजीकरण करा सकते हैं, वैकल्पिक रूप से पात्र श्रमिक मानधन पोर्टल के माध्यम से भी पंजीकरण कर सकते हैं। वहीं इस संबंध में और अधिक जानकारी के लिए वे श्रम विभाग के कार्यालय में भी संपर्क कर सकते हैं।

ग्राम पंचायत कटबितला में तबादला नीति का माखौल

नियमित को हटाकर अन्य सचिव को गृहग्राम में अतिरिक्त प्रभार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नियमित सचिव को हटाकर पड़ोसी पंचायत के सचिव को उनके ही गृहग्राम में अतिरिक्त प्रभार दिए जाने का मामला सुर्खियों में है। पंचायत विभाग में नियमों को ताक पर रख किए जा रहे सचिवों के तबादले को लेकर चर्चा सरगर्म है।

इसका ताजा उदाहरण कोरबा जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत कटबितला से लिया जा सकता है। बताया जा रहा है कि पंचायत में बतौर सचिव ममता सोनी पदस्थ थी। वह शासन के महत्वकांक्षी योजनाओं के अलावा पंचायत संबंधी दायित्वों का सुचारू रूप से निर्वहन कर रही थी। उसके कामकाज से सरपंच अचला कंवर सहित सभी पंच संतुष्ट थे। पंचायत का कामकाज बेहतर ढंग से चल रहा था। इसी बीच 15 दिसंबर 2025 को एक आदेश जारी कर दिया गया। इस आदेश के माध्यम से बरीडीह में पदस्थ सचिव संत राम राजवाड़े को कटबितला का अतिरिक्त प्रभार लेने संबंधी आदेश जारी कर दिया गया। जिसकी जानकारी श्री राजवाड़े ने सरपंच सहित अन्य जनप्रतिनिधियों को दी। चूंकि कटबितला पंचायत सचिव श्री राजवाड़े का गृहग्राम है। वे गृहग्राम में पहले भी करीब 15 साल सेवा दे चुके थे। इसके अलावा पंचायत में नियमित सचिव होने के बाद भी अतिरिक्त प्रभार सौंपे जाने की बात पंचायत प्रतिनिधियों के अलावा ग्रामीणों को भी रास नही आई। उन्होंने बरीडीह सचिव श्री राजवाड़े को गृहग्राम का ही अतिरिक्त प्रभार दिए जाने पर आपत्ति जताई। इस संबंध में सरपंच व पंच के अलावा सरपंच संघ ने कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ तथा जनपद सीईओ को भी पत्राचार किया। उन्होंने पत्र के माध्यम से नियमित सचिव को हटाकर अतिरिक्त प्रभार दिए जाने का विरोध जताया। उन्होंने पूर्व में पदस्थ सचिव को स्थानांतरित करने की स्थिति में किसी अन्य सचिव को पदस्थ करने की मांग भी की, लेकिन उनकी आपत्ति को दरकिनार कर दिया गया। सरपंच पंच अपनी आपत्ति के बाद निश्चिंत थे। उन्हें विश्वास था कि उनकी आपत्ति के बाद अतिरिक्त प्रभार संबंधी आदेश निरस्त कर दी जाएगी। इसके विपरीत संबंधित सचिव की प्रभार देने दबाव बढ़ाया जाने लगा। सूत्रों की मानें तो नवीन पंचायत भवन प्रभार के लिए अफसरों पर भी राजनैतिक दबाव बढ़ गया। आखिरकार श्री राजवाड़े को उनके ही गृहग्राम में एकतरफा प्रभार सौंप दिया गया। खास तो यह है कि उन्होंने विधिवत पंचायत में पहुंचकर सरपंच के पास आमद भी नही दी है। ऐसे में उनकी अतिरिक्त प्रभार लिए जाने की वैधानिकता पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

अब अमृत सरोवर स्थलों पर होगा सरोवर संवाद

विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम के प्रावधानों एवं अधिकारों पर होगी चौपाल पर चर्चा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम, 2025 के प्रावधानों एवं कानूनी अधिकारों की जन-जागरूकता के उद्देश्य से जिले के समस्त अमृत सरोवर स्थलों पर सरोवर संवाद का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशन में यह आयोजन विशेष सूचनात्मक सत्रों के रूप में चौपाल पर चर्चा के माध्यम से किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि भारत की संसद द्वारा पारित विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण) वीबी जी राम जी एक्ट, 2025 देश के विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप एक ऐतिहासिक कानून है, जो अब तक लागू महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम मनरेगा का स्थान लेगा। इस नये अधिनियम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन किया गया है, साथ ही सशक्त ग्राम पंचायत योजनाओं के माध्यम से टिकाऊ एवं उत्पादक परिसंपत्तियों के निर्माण पर विशेष बल दिया गया है। मिशन अमृत सरोवर के संशोधित दिशा-निर्देशों के अनुसार, अमृत सरोवर स्थलों को सामाजिक पहलों, राष्ट्रीय पर्वों एवं सामुदायिक गतिविधियों के केन्द्र के रूप में विकसित किया जाना है। इसी क्रम में, ग्राम पंचायत स्तर पर अमृत सरोवर स्थलों पर विकसित भारत जी राम जी एक्ट 2025 के प्रमुख प्रावधानों एवं अधिकार-आधारित लाभों की जानकारी देने हेतु चौपाल पर चर्चा/सरोवर संवाद आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इन संवाद सत्रों से ग्रामीणों को 125 दिनों की बढ़ी हुई रोजगार गारंटी मजदूरी, महिला कामगारों, अनुसूचित जाति-जनजाति परिवारों एवं कमजोर वर्गों के लिए उपलब्ध अधिकारों एवं अन्य महत्वपूर्ण प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी जायेगी। सीईओ जिला पंचायत दिनेश कुमार नाग के द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों एवं पंचायती राज संस्थानों को निर्देशित किया है कि सभी अमृत सरोवर स्थल पर चौपाल पर चर्चा/सरोवर संवाद का आयोजन किया जाए,जिसमें ग्रामीणों, महिला कामगारों, अनुसूचित जाति/जनजाति परिवारों एवं कमजोर वर्गों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए।आयोजित गतिविधियों का समुचित दस्तावेजीकरण किया जाए।पंचायत निर्णय ऐप के माध्यम से जियो-टैग्ड फोटोग्राफ एवं वीडियो के साथ आयोजन का विवरण अपलोड किया जाए।

राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज किसी नए काम को शुरू करने से पहले पूरी योजना बनाएंगे और साथ ही माता-पिता से सलाह लेंगे। आज सरकारी कामों में नीति व नियमों पर पूरा ध्यान देंगे तो आपको काम करने में आसानी होगी। आज आपको किसी मामलों में जल्दबाजी दिखाने से बचना होगा।

वृष राशि : आपके लिए आज का दिन शुभ है। आज आप कामकाज निपटाने में बहुत हद तक सफल रहेंगे। अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा। आज किसी पुरानी समस्याओं पर दोस्तों से बातचीत होगी, इससे आपको अच्छा समाधान मिलेगा। आज परिवार के कामों में आपका पैसा लगेगा। आज अपनी वाणी में मधुरता रखें तो आपके लिए अच्छा है।

मिथुन : आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज भाई या बहन से आपकी फोन पर बात होगी, जिससे आपको अच्छा लगेगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। महिलाए आज ऑलाईन नयी डिश सीखने की कोशिश करेंगी। पिता का सहयोग आपके साथ रहेगा। लेखकों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है, उनके लेखन कार्यो की सराहना होगी।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करें। आज पुरानी देनदारी निपटा सकते हैं। आज जीवनसाथी की भावनाओं को समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिल सकती है। आपकी सलाह से दूसरों को फायदा होगा।

सिंह राशि : आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपके कोर्ट-कचहरी के मामले कुछ समय के लिए रुक सकते है, लेकिन समय रहते सब ठीक होगा। आज आपको किसी दोस्त का सहयोग मिलेगा। परिवार वालों का हंसी-मजाक भरा बरताव घर के वातावरण को और खुशनुमा बनायेगा। आज आपकी निजी लाइफ बेहतर रहेगी।

कन्या राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपको किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह जरूर ले। आज आपके ऊपर परिवार की कुछ जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिन्हें आप पूरा करेंगे। सभी लोग आपके द्वारा किए गए कार्यों से काफी खुश नजर आएंगे। छात्र आज अपने करियर को लेकर योजना बनायेंगे, बच्चों को सही गाइडेंस की जरूरत है।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा होने वाला है। आज धार्मिक गतिविधि में शामिल होने के योग बन रहे हैं। आज किसी मामले में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा। जरूरी काम और रिश्ते के बारे में विचार करेंगे और योजना बनाएंगे। परिवार से जुड़ी समस्या खत्म होने के योग हैं। आप नए सिरे से कोशिश करेंगे तो आप सफल हो सकते हैं।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ो की राय लेना बेहतर साबित होगा। पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के जो लोग नया बिजनेस करना चाहते हैं उनके लिए आज मार्केट एनालिसिस करना बेहतर होगा।

धनु राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज जो भी काम शुरु करेंगे वे काम समय पर पूरा हो जायेंगे। आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे। नयें व्यापार को शुरू करने में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। कॉमर्स के विद्यार्थी आज मार्केटिंग को समझने के लिये शिक्षकों की सहायता लेंगे, जो आगे चलकर बेहद काम आयेंगी।

मकर राशि : आज आपका दिन शानदार रहेगा। परिवार के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा, आपकी योजना से लोग काफी प्रभावित होंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आप अपने घर का डेकोरेशन फेस्टिवल के अनुसार करेंगे। आपको अपनी वाणी पर संयम बनाये रखना चाहिए। किसी बात को लेकर ज्यादा जिद्द करने से बचना चाहिए।

कुंभ राशि : आज आपका मन नई उमंगों से भरा रहेगा। सभी आपसे राय लेना चाहेगा। ऑफिस के लोगों में आपका रुतबा बनेगा। किसी विशेष व्यक्ति से आज आपकी बात हो सकती है। आपको आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा, धन के नये स्त्रोत प्राप्त होंगे। छोटे बच्चे आज बहुत खुश रहेंगे, वो अपने लिये नया खेल तलाश करेंगे। सेहत पहले से बेहतर बनी रहेगी। दोस्त शाम के लिए बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन खुशनुमा कर देंगे।

मीन राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बडों की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जायेगा। किसी रिश्तेदार से आपको अच्छी खुशखबरी मिलेगी। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्ते में नयापन आयेगा। सामाजिक कार्यों में सहयोग देने से आपको अच्छा फील होगा। भाई-बहन के साथ घर पर मूवी देखने का प्लान बनायेंगे। आज आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिलेगा। आज घर में धार्मिक कार्य आयोजित हो सकता, जिससे ख़ुशी का माहौल बना रहेगा।

साकेत में हर्षोल्लास से मनाया गया महापौर संजूदेवी राजपूत का जन्मदिन

सभापति, आयुक्त, पार्षदों, जनप्रतिनिधियों व निगम के अधिकारी कर्मचारियों ने दी महापौर को जन्मदिवस की बधाई व शुभकामनाएं

कोरबा (छ.ग.गौरव)। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत का जन्मदिन आज 02 फरवरी को नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत में पूर्ण हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महापौर श्रीमती राजपूत ने करतल ध्वनि के बीच केक काटा, वहीं सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर, आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय, वरिष्ठ पार्षद अशोक चावलानी सहित जनप्रतिनिधियों, पार्षदों व निगम के अधिकारी कर्मचारियों ने महापौर श्रीमती राजपूत को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी, उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की तथा उनके मार्गदर्शन में नगर के सर्वांगीण विकास तथा आमजन की सतत सेवा में निरंतर कार्य करने के संकल्प को दोहराया।

नगर पालिक निगम कोरबा के मुख्य प्रशासनिक भवन साकेत में निगम के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के जन्मदिवस कार्यक्रम का सुंदर व स्नेहपूर्ण आयोजन किया गया, इस मौके पर सभापति नूतन सिंह ठाकुर, आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, वरिष्ठ पार्षद अशोक चावलानी के साथ ही पार्षद चन्द्रलोक सिंह, अपर आयुक्त विनय मिश्रा, अधीक्षण अभियता सुरेश बरूआ, उपायुक्त नीरज कौशिक, बी.पी.त्रिवेदी व पवन वर्मा, लेखाधिकारी भवकांत नायक, कार्यपालन अभियंता एन.के.नाथ, भूषण उरांव, राकेश मसीह, अखिलेश शुक्ला, प्रकाश चन्द्रा, सुनील टांडे, लीलाधर पटेल, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, संपदा अधिकारी अनिरूद्ध सिंह, जनसंपर्क अधिकारी रावेन्द्र सिंह, निगम सचिव रामेश्वर सिंह कंवर, सहायक राजस्व अधिकारी सुमित गुप्ता, सहायक अभियंता रूचि साहू, राहुल मिश्रा, पीयूष राजपूत, एस.सी.सोनी, आकाश अग्रवाल, प्रमोद जगत, अंजूला अनंत, सोमनाथ डेहरे, गुलिस्ता साहू, रमेश सूर्यवंशी, अंजूलता तिग्गा, किरण साहू, प्रिंस सिंह, राजेश राठौर, राकेश अग्रवाल, श्रीधर द्विवेदी, सचिन तिवारी, अजीत सिंह, मनोज सिंह राजपूत, हेमंत गभेल , अजय शुक्ला, आनंद दुबे, धवल शर्मा, अमन शर्मा, वीरेन्दर सैनी, अरविंद सिंह, विकास शुक्ला, अशोक जायसवाल, अनवर अली, मनोज श्रीवास आदि के साथ अन्य अधिकारी कर्मचारियों ने महापौर श्रीमती राजपूत को गुलदस्ता भेंट कर उन्हें जन्मदिवस की अपनी हार्दिक व शुभकामनाएं दी तथा उनके स्वस्थ व दीर्घ जीवन की कामना की।

पाली महोत्सव हेतु रूचि की अभिव्यक्ति 10 फरवरी तक आमंत्रित

कोरबा (छ.ग.गौरव)। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर दो दिवसीय पाली महोत्सव 2026 (सामुदायिक आदिवासी कला, हस्तशिल्प एवं सांस्कृतिक प्रोत्साहन) कार्यक्रम का 15 एवं 16 फरवरी को विकासखंड पाली के ग्राम केराझरिया में किया जायेगा। जिसमें स्थानीय संस्कृति के संरक्षण के साथ-साथ देश की विभिन्न संस्कृतियों से परिचय कराने तथा पर्यटन की संभावनाओं के विकास तथा प्रचार-प्रसार हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

पाली महोत्सव 2026 में कोरबा जिले के प्रतिष्ठित/खाति प्राप्त सांस्कृतिक कलाकार जो देशभक्ति, छत्तीसगढ़ी गीत, लोक नृत्य, नृत्य नाटिका, शास्त्रीय संगीत एवं गायन के अंतर्गत अपनी प्रस्तुत देना चाहते हैं उनसे निर्धारित प्रारूप अनुसार आवश्यक दस्वावेज/सीडी/पेन ड्राईव/गूगल फॉम में अपलोड/वेबसाईट लिंक, यूट्यूब लिंक इत्यादि सहित प्रविष्टि 12 फरवरी 2026 तक आमंत्रित की गई थी। जिसमें आंशिक संशोधन करते हुए अब प्रविष्टि 10 फरवरी 2026 सायं 4 बजे तक कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कोरबा में आमंत्रित की गई है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 7869096888 पर संपर्क किया जा सकता है।

किफायती जन आवास नियम -2025: अब कृषि भूमि पर भी वैध कॉलोनी विकास संभव

छोटे भू-स्वामियों को पहली बार योजनाबद्ध कॉलोनी विकसित करने का अवसर

कोरबा (छ.ग.गौरव)। राज्य सरकार द्वारा जारी किफायती जन आवास नियम-2025 ने आम नागरिकों, छोटे भू-स्वामियों और मध्यम स्तर के बिल्डर्स के लिए नए अवसर प्रदान किए हैं। नई नियमावली के अंतर्गत अब कृषि भूमि पर भी विधिवत आवासीय कॉलोनी विकसित की जा सकेगी। इस कदम से वर्षों से बढ़ती अवैध प्लॉटिंग पर प्रभावी रोक लगेगी और निम्न एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और किफायती आवासीय सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

नई नीति में पहली बार छोटे भू-स्वामियों को भी योजनाबद्ध ढंग से कॉलोनी विकसित करने का अवसर दिया गया है। इसके लिए न्यूनतम भूमि सीमा 2 एकड़ और अधिकतम 10 एकड़ निर्धारित की गई है, जिससे कम भूमि वाले किसान और भू-स्वामी भी बिना बड़े निवेश के कॉलोनी विकास कर सकेंगे। यदि प्रस्तावित योजना निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप स्वीकृत हो जाती है, तो कृषि भूमि का भू-उपयोग परिवर्तन स्वतः आवासीय श्रेणी में मान्य माना जाएगा।

किफायती जन आवास की परिभाषा भी स्पष्ट की गई है, जिसके तहत भूखण्ड का अधिकतम क्षेत्रफल 150 वर्गमीटर और फ्लैट या प्रकोष्ठ इकाई का अधिकतम आकार 90 वर्गमीटर तय किया गया है। इन मानकों से आवास की कीमतें नियंत्रित रहेंगी तथा खरीदारों को नगर एवं ग्राम निवेश तथा रेरा द्वारा स्वीकृत कॉलोनियों में सुरक्षित निवेश का भरोसा मिलेगा। सरकार ने कॉलोनी विकास से जुड़े मानकों में भी महत्वपूर्ण शिथिलता प्रदान की है। पहुंच मार्ग और आंतरिक सड़कों की चौड़ाई से संबंधित पूर्व निर्धारित नियमों में ढील दी गई है, जिससे छोटे स्तर पर भी योजनाबद्ध कॉलोनी विकसित करना आसान हो गया है। प्रत्येक जन आवास कॉलोनी में सामुदायिक खुला स्थान, आवश्यक एमेनिटीज, कम्युनिटी हॉल, क्लब हाउस और सीमित व्यवसायिक क्षेत्र आरक्षित रखने का प्रावधान किया गया है, ताकि निवासियों को सभी मूलभूत सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध हो सकें।

कॉलोनी विकास के लिए आवेदन की प्रक्रिया भी सरल बनाई गई है। एकल आवेदक के साथ-साथ अब संयुक्त या अनुबंध आधारित आवेदन की सुविधा उपलब्ध है, जिससे बिल्डर्स एवं भूमि स्वामियों के लिए नए निवेश अवसर पैदा होंगे। यह नई व्यवस्था केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी छोटे भूखण्डों पर नियोजित और सुरक्षित कॉलोनी विकास को बढ़ावा देगी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार, 28 जनवरी, 2026 को बारामती में एक विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की मृत्यु के बाद विद्या प्रतिष्ठान मैदान में उनके अंतिम संस्कार के दौरान उनके पार्थिव शरीर को अंतिम श्रद्धांजलि दी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार, 28 जनवरी, 2026 को बारामती में एक विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की मौत के बाद विद्या प्रतिष्ठान मैदान में उनके अंतिम संस्कार के दौरान उनके पार्थिव शरीर को अंतिम श्रद्धांजलि दी।

बीजेपी पार्षद सौरभ जोशी ने पार्टी नेताओं और अन्य लोगों के साथ चंडीगढ़ मेयर चुनाव जीतने के बाद जश्न मनाया, उन्हें चंडीगढ़ में 18 वोट मिले।

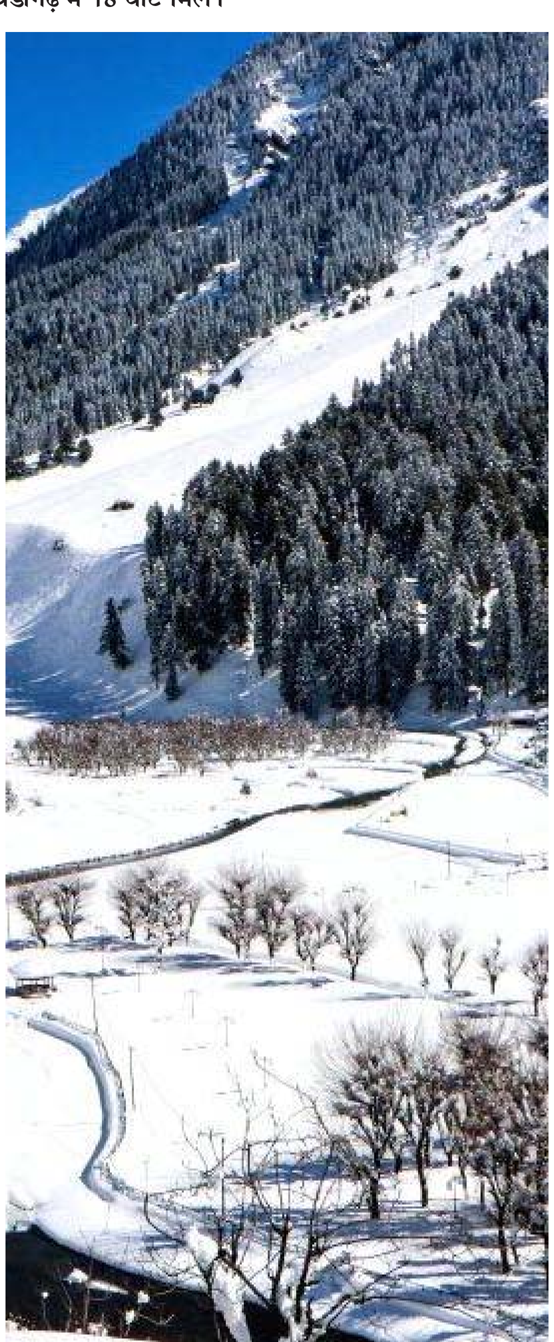

अनंतनाग जिले के पहलगाम इलाके में बर्फ से ढकी बेताब घाटी का एक दृश्य।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित शक्ति संवाद कार्यक्रम को संबोधित किया।

ट्रंप की नई धमकी: कनाडा पर बढ़ाएंगे टैरिफ, क्यूबा को तेल देने वाले देशों पर भी शुल्क लगाने की चेतावनी

वॉशिंगटन,03 फरवरी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस नए बयान से संकेत मिलता है कि अमेरिका-कनाडा व्यापार संबंधों में तनाव और गहराने वाला है, खासकर विमानन क्षेत्र में, जो दोनों देशों के लिए आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है। वहीं, क्यूबा को लेकर जारी धमकी से मैक्सिको पर दबाव बढ़ने की संभावना है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कनाडाई विमानों पर 50 फीसदी और क्यूबा को तेल देने वाले देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी दी। डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के खिलाफ अपने व्यापारिक रुख को और सख्त करते हुए चेतावनी दी कि अमेरिका में बेचे जाने वाले कनाडाई विमानों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकता है। यह कदम अमेरिका और कनाडा के बीच जारी व्यापार युद्ध में ताजा बढ़ोतरी माना जा रहा है, जो ट्रंप और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच बढ़ते टकराव के बीच सामने आया है। क्यूबा को तेल देने वाले देशों पर फूटेगा टैरिफ बमवहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत क्यूबा को तेल बेचने या आपूर्ति करने वाले देशों से आने वाले किसी भी सामान पर शुल्क लगाया जाएगा। ट्रंप के इस फैसले से मैक्सिको पर दबाव बढ़ने की आशंका है।

मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शाइनबाम ने इस हफ्ते कहा कि उनकी सरकार ने अस्थायी रूप से क्यूबा को तेल की आपूर्ति रोक दी है। उन्होंने कहा कि यह एक संप्रभु फैसला था, जो अमेरिका के दबाव में नहीं लिया गया था। गौरतलब है कि ट्रंप क्यूबा सरकार से दूरी बनाने के लिए मैक्सिको पर दबाव डाल रहे हैं।कनाडा ने क्या किया, जो भड़के ट्रंप?कनाडा पर टैरिफ लगाने की धमकी वाले अपने बयान में ट्रंप ने कहा कि यह कदम कनाडा की ओर से जॉर्जिया के सवाना स्थित गल्फस्ट्रीम एयरोस्पेस द्वारा बनाए गए विमानों के प्रमाणन से इनकार के जवाब में उठाया जा रहा है।उन्होंने चेतावनी दी कि अगर हालात में तुरंत सुधार नहीं किया गया, तो अमेरिका कनाडा से आयात होने वाले सभी विमानों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाएगा।ट्रंप ने यह भी कहा कि इसके जवाब में अमेरिका कनाडा के सभी विमानों का प्रमाणन रद्द कर सकता है,

जिसमें बॉम्बार्डियर के विमान भी शामिल होंगे।इससे पहले, ट्रंप ने सप्ताहांत में कनाडा के खिलाफ 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी, यदि उसने चीन के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते को आगे बढ़ाया।हालांकि, उस धमकी में भी टैरिफ लागू करने की समय-सीमा स्पष्ट नहीं की गई थी, जबकि कनाडा पहले ही चीन के साथ एक समझौता कर चुका है।

वेनेजुएला में ऐतिहासिक बदलाव, दो दशक बाद बड़ा फैसला; तेल उद्योग को निजीकरण-विदेशी निवेश के लिए खोला

काराकास ,03 फरवरी (एजेंसी)। वेनेजुएला की कार्यकारी राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगुज ने देश के तेल उद्योग के लिए एक बड़ा कानून मंजूर कर इसे हस्ताक्षर कर दिया है, जो लंबे समय तक सामाजिकवादी नीतियों के तहत राज्य के पूर्ण नियंत्रण में रहे तेल क्षेत्र को खोलेगा।

दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार वाले देश वेनेजुएला ने तेल उद्योग में सुधार के लिए ऐतिहासिक विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं। 3 जनवरी को सैन्य कार्रवाई के बाद वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्त किया था। जिसके बाद वो अमेरिका की कैद में हैं। इधर, देश की कमान संभाल रही कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज देश के अंदर तेल उद्योग में बड़ा कदम उठाया है।वेनेजुएला सरकार ने गुरुवार (29 जनवरी) को देश के तेल क्षेत्र को निजीकरण के लिए खोलने की मंजूरी दे दी। यह कदम मादुरो की गिरफ्तारी के एक महीने से भी कम समय में उठाया गया है। जो कि देश के अंदर दो दशकों के बाद सबसे बड़ा बदलाव है। ऐसा इसलिए क्योंकि राजनीतिक अस्थिरता और निवेश की कमी के चलते तेल उत्पादन पूरी तरह से गिर चुका था।

गुरुवार को नेशनल असेंबली ने ऊर्जा उद्योग कानून में संशोधन को मंजूरी दी गई। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने तेल कर्मचारियों और सरकार के समर्थकों के एक बड़े समूह के सामने इस सुधार को कानून के रूप में हस्ताक्षरित कर दिया। इधर, जैसे ही विधेयक पारित हो रहा था, वित्त विभाग ने आधिकारिक तौर पर वेनेजुएला के तेल पर लगे प्रतिबंधों में ढील देना शुरू कर दिया।

तुरंत करो डील वर्ना अगला हमला और बुरा होगा, डोनाल्ड ट्रंप ने इस मुस्लिम देश को दी आखिरी चेतावनी

वॉशिंगटन ,03 फरवरी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को ईरान को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि वह तुरंत परमाणु हथियारों को लेकर समझौते के लिए बातचीत की मेज पर आए, अन्यथा अमेरिका की ओर से अगला सैन्य हमला पहले से कहीं अधिक भयावह होगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रूथ' पर लिखा कि ईरान के पास अब ज्यादा समय नहीं है और निष्पक्ष व न्यायसंगत समझौते की तत्काल जरूरत है, जिसमें परमाणु हथियारों की कोई गुंजाइश न हो।ट्रंप ने याद दिलाया कि उनके पहले कार्यकाल के दौरान अमेरिका 2015 के बहुपक्षीय परमाणु समझौते से अलग हो गया था। उन्होंने दावा किया कि उनकी पिछली चेतावनी के बाद ईरान पर सैन्य कार्रवाई हुई थी और यदि स्थिति दोबारा बिगड़ी तो अगला हमला कहीं अधिक गंभीर होगा। राष्ट्रपति ने यह भी संकेत दिया कि एक और अमेरिकी युद्धपोत ईरान की दिशा में बढ़ रहा है।उधर, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ट्रंप के दावों को खारिज करते हुए कहा कि हाल के दिनों में उनका अमेरिकी स्पेशल एनवॉय स्टीव विटकॉफ से कोई औपचारिक संपर्क नहीं हुआ है और न ही किसी तरह की बातचीत का अनुरोध किया गया है। हालांकि, ईरान की सेमी-ऑफिशियल ईरानी स्टूडेंट्स न्यूज एजेंसी ने दावा किया है कि दोनों पक्षों के बीच अनौपचारिक स्तर पर संदेशों का आदान-प्रदान हो रहा है।ट्रंप इससे पहले भी कई बार ईरान को चेतावनी दे चुके हैं और कह चुके हैं कि जून में हुए हमलों के बाद ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह खत्म हो गया था। ट्रंप के ताजा बयान के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें सत्र के उच्च स्तर पर पहुंच गईं। बढ़ते तनाव के बीच कई देशों ने अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता की पेशकश भी की है, ताकि हालात और न बिगड़ें।

चीन को सस्ते तेल से मिल रही थी ताकत, वेनेजुएला पर अमेरिका की सख्ती के पीछे रुबियो का खुलासा

वॉशिंगटन ,03 फरवरी (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सांसदों से कहा है कि निकोलस मादुरो के शासन के तहत वेनेजुएला पश्चिमी गोलार्ध में चीन, रूस और ईरान के लिए एक रणनीतिक अड्डा बन गया था। उन्होंने कहा कि बीजिंग वेनेजुएला से भारी छूट पर तेल हासिल कर अमेरिका और उसके आसपास के क्षेत्रों के बेहद करीब अपना प्रभाव बढ़ा रहा था।

बुधवार को स्थानीय समयानुसार सीनेट की विदेश संबंध समिति की सुनवाई में रुबियो ने कहा, हमारे ही आसपास में एक ऐसा शासन था, जिसे एक नार्को-तस्कर चला रहा था और जो दुनिया के लगभग हर प्रतिस्पर्धी, विरोधी और दुश्मन देश के लिए संचालन का केंद्र बन गया था। अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि चीन वेनेजुएला का तेल करीब 20 डॉलर प्रति बैरल की छूट पर प्राप्त कर रहा था। कई मामलों में चीन इसके लिए पैसे भी नहीं देता था, बल्कि इसे अपने पुराने कर्ज की भरपाई के तौर पर इस्तेमाल करता था।

रुबियो ने कहा, यह वेनेजुएला की जनता का तेल है, जिसे वस्तु-विनिमय (बार्टर) के रूप में चीन को दिया जा रहा था। उन्होंने यह भी जोड़ा कि चीन, रूस और ईरान वेनेजुएला से अपने ऑपरेशन चला रहे थे। उन्होंने इस स्थिति को अमेरिका के लिए एक बेहद गंभीर रणनीतिक खतरा बताया। यह खतरा दुनिया के किसी दूर-दराज हिस्से में नहीं, बल्कि उसी गोलार्ध में था, जहां हम सभी रहते हैं।रुबियो ने कहा कि मादुरो सरकार के खिलाफ अमेरिका की कार्रवाई का मकसद इसी स्थिति को खत्म करना और दोबारा रणनीतिक बढ़त हासिल करना था। यह हालात अस्वीकार्य थे और इन्हें सही करना जरूरी था। उन्होंने कहा कि अमेरिका के नेतृत्व में वेनेजुएला में चीन की सस्ते तेल तक पहुंच में भारी कमी आई है। चीन वेनेजुएला का तेल खरीद सकता है, लेकिन अब उसे वही कीमत चुकानी होगी, जो दुनिया के बाकी देश चुकाते हैं।

रुबियो ने बताया कि प्रतिबंधित वेनेजुएलाई तेल से होने वाली आय अब अमेरिकी निगरानी में रखी जा रही है। उससे मिलने वाला पैसा एक ऐसे खाते में जमा होगा, जिस पर हमारी निगरानी होगी और उस धन का इस्तेमाल वेनेजुएला की जनता के हित में किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पश्चिमी गोलार्ध में चीन की व्यापक रणनीति विचारधारा नहीं, बल्कि आर्थिक दबदबे पर आधारित है। उन्हें दूरसंचार में गहरी दिलचस्पी है। वे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के निर्माण और नियंत्रण में रुचि रखते हैं। उन्हें अहम खनिज संसाधनों के अधिकार चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि चीनी कंपनियां अक्सर खराब समझौतों और कर्ज पर निर्भरता के जरिए दूसरे देशों पर अपनी पकड़ बनाती हैं।

रुबियो ने दावा किया कि क्षेत्र में चीन का प्रभाव अब धीरे-धीरे कमजोर हो रहा है। उन्होंने पनामा के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव से बाहर निकलने और लैटिन अमेरिका में राजनीतिक बदलावों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वेनेजुएला दोबारा हमारे रीजन में ईरान, रूस और चीन का खेल का मैदान न बने।

भयानक विमान हादसा : प्लेन क्रैश में एक नेता समेत 15 लोगों की गई जान, राष्ट्रपति ने जताया शोक

कोलंबिया ,03 फरवरी (एजेंसी)।कोलंबिया में एक भयानक विमान हादसा हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, बुधवार को उत्तर-पूर्वी कोलंबिया के नॉर्टे डी सेंटेंडर प्रांत के एक ग्रामीण इलाके में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में विमान में सवार सभी 15 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक कांग्रेस सदस्य भी शामिल थे।उड़ान का संचालन करने वाली सरकारी एयरलाइन सतेना ने बताया कि यात्रियों की स्थिति का पता लगाने के लिए तुरंत बचाव दल को घटनास्थल पर भेजा गया था। बाद में कोलंबिया के परिवहन मंत्रालय ने एक बयान जारी कर पुष्टि की कि हादसे में कोई भी जीवित नहीं बचा।विमान, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर ।्य4709 था, स्थानीय समयानुसार सुबह 11:42 बजे कुकुटा हवाई अड्डे से ओकाना के लिए रवाना हुआ था। ओकाना पहाड़ों से घिरा एक शहर है और यह उड़ान आमतौर पर लगभग 40 मिनट की होती है। सतेना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि विमान का एयर ट्रैफिक कंट्रोल से आखिरी संपर्क उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद हुआ था। अधिकारियों ने दुर्घटना के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है, लेकिन कहा कि मामले की जांच की जाएगी।एयरलाइन के अनुसार, इस छोटे विमान में दो क्रू मेंबर और 13 यात्री सवार थे। यात्रियों में कैटाटुम्बो क्षेत्र से हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के सदस्य 36 वर्षीय डियोजेनेस क्विंटरो भी शामिल थे। क्विंटरो वेनेजुएला से सटे अशांत सीमा क्षेत्र में एक जाने-माने मानवाधिकार रक्षक थे। पेशे से वकील क्विंटरो को 2022 में निचले सदन के 16 प्रतिनिधियों में से एक के रूप में चुना गया था, ताकि कोलंबिया के दशकों लंबे सशस्त्र संघर्ष से पीड़ित लोगों का प्रतिनिधित्व किया जा सके।उनकी मौत पर पार्टी नेताओं ने गहरा दुख व्यक्त किया और कहा कि वे अपने क्षेत्र के प्रति समर्पित नेता थे और उनमें सेवा की सच्ची भावना थी। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से हादसे पर शोक जताया। उन्होंने कहा, इन मौतों से मुझे गहरा दुख हुआ है। पीड़ितों के परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे।उड़ान का संचालन करने वाली सरकारी एयरलाइन सतेना ने बताया कि यात्रियों की स्थिति का पता लगाने के लिए तुरंत बचाव दल को घटनास्थल पर भेजा गया था। बाद में कोलंबिया के परिवहन मंत्रालय ने एक बयान जारी कर पुष्टि की कि हादसे में कोई भी जीवित नहीं बचा।विमान, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर ।्य4709 था, स्थानीय समयानुसार सुबह 11:42 बजे कुकुटा हवाई अड्डे से ओकाना के लिए रवाना हुआ था। ओकाना पहाड़ों से घिरा एक शहर है और यह उड़ान आमतौर पर लगभग 40 मिनट की होती है। सतेना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि विमान का एयर ट्रैफिक कंट्रोल से आखिरी संपर्क उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद हुआ था। अधिकारियों ने दुर्घटना के कारणों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है, लेकिन कहा कि मामले की जांच की जाएगी।एयरलाइन के अनुसार, इस छोटे विमान में दो क्रू मेंबर और 13 यात्री सवार थे। यात्रियों में कैटाटुम्बो क्षेत्र से हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के सदस्य 36 वर्षीय डियोजेनेस क्विंटरो भी शामिल थे। क्विंटरो वेनेजुएला से सटे अशांत सीमा क्षेत्र में एक जाने-माने मानवाधिकार रक्षक थे। पेशे से वकील क्विंटरो को 2022 में निचले सदन के 16 प्रतिनिधियों में से एक के रूप में चुना गया

भारत से मिले तोहफों की अमेरिका ने जारी की लिस्ट, चांदी की ट्रेन से लेकर पश्मीना तक क्या-क्या मिला?

वाशिंगटन ,03 फरवरी (एजेंसी)।अमेरिकी विदेश विभाग ने कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान भारत से मिले तोहफो की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य भारतीय सरकारी अधिकारियों की ओर से अमेरिकी नेताओं, जिनमें पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन भी शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान भारत से मिले तोहफो की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य भारतीय सरकारी अधिकारियों की ओर से अमेरिकी नेताओं, जिनमें पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन भी शामिल हैं।

यूरोपीय संघ का एलान- इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर आतंकी संगठन, ईरान बोला- गलती कर रहे हो

ब्रुसेल्स ,03 फरवरी (एजेंसी)। यूरोपीय संघ ने ईरान की सेना 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर' को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। यह फैसला ईरान में प्रदर्शनकारियों पर हुई हिंसक कार्रवाई के बाद लिया गया। अब आईआरजीसी को आईएसआईएस और अल-कायदा जैसी श्रेणी में रख दिया गया है। इससे ईरान पर कानूनी और आर्थिक दबाव बढ़ेगा।

ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शन के बीच यूरोपीय संघ ने बड़ा फैसला लिया है। टाइम्स ऑफ इस्त्राइल की रिपोर्ट के अनुसार, संघ के विदेश मंत्रियों ने ईरान की सेना 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर' (आईआरजीसी) को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। इस फैसले के बाद अब आईआरजीसी को इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) और अल-कायदा जैसे खतरनाक संगठनों की सूची में शामिल कर लिया गया है। यूरोप का यह कदम ईरान के नेतृत्व के प्रति यूरोप के बदलते कड़े रुख को दिखाता है।यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने इस फैसले का समर्थन किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, जनता पर किए गए जुल्म का जवाब जरूर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो शासन अपने ही हजारों लोगों की हत्या करता है, उसका पतन निश्चित है। नीदरलैंड के विदेश मंत्री डेविड वैन वील ने भी कहा कि प्रदर्शनकारियों के

खिलाफ हुई हिंसा और क्रूरता को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।इस्त्राइल ने क्या कहा?

इस्त्राइल ने यूरोपीय संघ के इस फैसले का स्वागत किया है। इस्त्राइली विदेश मंत्री गिदोन सा'आर ने इसे एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस्त्राइल कई वर्षों से इस परिणाम के लिए कोशिश कर रहा था। इस्त्राइल के अनुसार, आईआरजीसी क्षेत्र में अस्थिरता और आतंकवाद फैलाने वाली सबसे बड़ी ताकत है। इस फैसले से अब यूरोप में आईआरजीसी की गतिविधियों पर रोक लगाना आसान हो जाएगा।कानूनी तौर पर इस फैसले के कई बड़े असर होंगे। अब यूरोपीय संघ के देशों के लिए आईआरजीसी के सदस्यों पर मुकदमा चलाना बहुत सरल हो जाएगा। अधिकारियों को अब किसी खास आतंकी साजिश को साबित करने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि केवल संगठन से जुड़ाव होना ही कार्रवाई के लिए काफी होगा। इसके अलावा, इस संगठन की संपत्तियों को फ्रीज करना और यूरोपीय पुलिस (यूरोपोल) के बीच जानकारी साझा करना भी आसान हो जाएगा।ईरान की प्रतिक्रिया

ईरान ने इस फैसले पर बहुत तीखी प्रतिक्रिया दी है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इसे एक बड़ी रणनीतिक गलती बताया। उन्होंने कहा कि जब कई देश क्षेत्र में युद्ध रोकने की कोशिश कर रहे हैं, तब यूरोप आग में घी डालने का काम कर रहा है।उन्होंने इसे अमेरिका के दबाव में लिया गया फैसला करार दिया। खुले रहेंगे बातचीत के रास्तेइस घोषणा के साथ ही यूरोपीय संघ ने ईरान के 15 अधिकारियों और छह संस्थाओं पर नए प्रतिबंध भी लगाए हैं। इनमें आईआरजीसी के वरिष्ठ कमांडर शामिल हैं। ये पाबंदियां मानवाधिकारों के उल्लंघन, सेंसरशिप और दुष्प्रचार फैलाने के कारण लगाई गई हैं। साथ ही, ईरान के ड्रोन और मिसाइल कार्यक्रम में इस्तेमाल होने वाले सामान के निर्यात पर भी रोक बढ़ा दी गई है। हालांकि, यूरोपीय संघ ने यह भी साफ किया है कि इन पाबंदियों के बावजूद ईरान के साथ बातचीत के रास्ते खुले रखे जाएंगे।

सम्पादकीय...

कांग्रेस की समस्या

'बचाओ' या 'वापस लाओ' जैसे नारे लोगों का ध्यान खींचने के लिहाज से हमेशा अपर्याप्त साबित हुए हैं। कांग्रेस की समस्या यह है कि हाल-फिलहाल में वह भविष्य का कोई सपना या लोक-लुभावन कार्यक्रम पेश करने में नाकाम रही है। मजदूर अधिकार के सवाल पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कांग्रेस की सही दिशा में पहल है, बशर्ते यह मुद्दा उसकी क्षणिक चिंता बन कर ना रह जाए। कामकाजी वर्ग की बढ़ती मुश्किलें और उसके घटते अधिकार आज असल मुद्दे हैं, जिनकी मुख्यधारा राजनीति में मजबूत वकालत की जरूरत है। मनरेगा खत्म कर उसकी जगह जी राम जी कानून लागू करने के नरेंद्र मोदी सरकार के फैसले के बाद कांग्रेस ने इस पर ध्यान दिया है। चूंकि मनरेगा को कांग्रेस नेतृत्व अपनी बड़ी उपलब्धि मानता था, इसलिए उस पर हुए प्रहार से वह भी विचलित हुआ। तब पार्टी ने 'मनरेगा बचाओ' आंदोलन शुरू करने का फैसला किया। अब पार्टी उसे मजदूर अधिकार के बड़े दायरे से जोड़ने का संकेत दे रही है। इस मसले पर पार्टी समग्र सोच विकसित कर सके और उसके आधार पर संगठन एवं संघर्ष की दीर्घकालिक योजना बनाए, तो उससे कांग्रेस को आज के दौर में एक खास पहचान मिल सकती है। मगर पार्टी नेतृत्व की मुश्किल यह है कि वह संयम के साथ किसी एक मुद्दे पर नहीं टिकता। और जो भी मुद्दा वह उठाता है, उसके पीछे मकसद अपनी पूर्व सरकारों के रिकॉर्ड को मोदी सरकार से बेहतर दिखाने तक सीमित रह जाता है। राफेल से लेकर ए-2 (यानी दो घरानों की मोनोपॉली) पर आक्रामक रुख अपनाने के बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी जातीय जनगणना एवं 1990 के दशक के मंडल-कालीन विमर्श में जा सिमटे। उसी क्रम में 'संविधान बचाओ' का झंडा उन्होंने उठाया। फिर 'वोट चोरी' उनका पसंदीदा मसला बना। अब मनरेगा की वापसी उनका प्रिय विषय बना है। जबकि समझने की बात यह है कि 'बचाओ' या 'वापस लाओ' जैसे नारे लोगों का ध्यान खींचने के लिहाज से हमेशा अपर्याप्त साबित हुए हैं। कांग्रेस की समस्या यह है कि हाल के दशकों में वह भविष्य का कोई सपना या लोक-लुभावन कार्यक्रम पेश करने में नाकाम रही है। ऐसे में आम जन को उसका एजेंडा नकारात्मक मालूम पड़ता है। पार्टी के मजदूर अधिकार सम्मेलन को इसी पृष्ठभूमि में देखा जाएगा। सवाल यह है कि क्या यहां से कांग्रेस कोई सकारात्मक सोच देश के सामने रख पाएगी

चीन के साथ भारत का रिश्ता नफरत और जरुरत का

हरिशंकर व्यास

नफरत और प्यार का रिश्ता बहुत सुना गया होगा लेकिन चीन के साथ भारत का रिश्ता नफरत और जरुरत का है। चीन से नफरत भी है और उसकी जरुरत भी है। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने राहुल गांधी के चीन के राजदूत से मिलने की घटना को आसमान टूट पड़ने जैसी घटना माना था। उसके लिए पूरी कांग्रेस पार्टी को देशद्रोही ठहराया गया। कांग्रेस पार्टी और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी यानी सीपीसी के साथ एक एमओयू साइन हुआ था, जिसे लेकर भाजपा ने बड़ा नैरेटिव खड़ा किया। लेकिन अब खुद भाजपा नेता चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के प्रतिनिधिमंडल से मिले हैं। भाजपा के विदेश प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विजय चौथाईवाला ने यह मुलाकात तय कराई और पार्टी मुख्यालय में महासचिव अरुण सिंह के साथ दूसरे नेता सीपीसी के प्रतिनिधिमंडल से मिले।

भाजपा के नेता यह कह कर फेस सेविंग कर रहे हैं कि चीन के डेलिगेशन से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा या कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन नहीं मिले या पार्टी के दोनों सर्वोच्च नेता नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने मुलाकात नहीं की, जबकि कांग्रेस में खुद राहुल गांधी मिले थे। लेकिन यह बचाव का तर्क नही हो सकता है। जैसे ही भाजपा नेताओं से सीपीसी डिलेगेशन के मिलने की तस्वीरें सामने आई वैसे ही सन्नाटा खींच गया। सोशल मीडिया में भाजपा का पूरा इकोसिस्टम खामोश हो गया। इस बीच दो चार लोगों ने हिम्मत करके सवाल उठाया और दबी जुबान में कहा कि यह अच्छा नहीं हुआ। भाजपा नेताओं से मुलाकात के बाद सीपीसी का डेलिगेशन आरएसएस कार्यालय में संघ के नंबर दो पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबाले से मिला। हालांकि उसकी फोटो नहीं जारी की गई। बाद में भारत की तीनों कम्युनिस्ट पार्टियों से सीपीसी के प्रतिनिधिमंडल के मिलने की खबर भी आई।

अब सवाल है कि जिस समय चीन अरुणाचल प्रदेश में जन्मे भारतीय मूल के लोगों को अपने हवाईअड्डों पर रोक कर पासपोर्ट अवैध बता रहा है या अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न अंग बताने वाले यूट्यूबर्स को रोक कर प्रताड़ित कर रहा है, शक्सगाम घाटी में निर्माण कार्य कर रहा है और उसे चीन का हिस्सा बता रहा है उसके प्रतिनिधिमंडल के साथ भाजपा की दोस्ती दिखाने का क्या मतलब है? सरकारी स्तर पर दोनों देशों के बीच संबंध सुधर गए हैं। मोदी और शाह ने व्यापार की खातिर गलवान घाटी में शहीद हुए 20 जवानों का घाव भुला दिए है। प्रधानमंत्री मोदी की बहुपक्षीय मंचों पर शी जिनपिंग से मुलाकात हुई है तो भारत के रक्षा और विदेश मंत्री दोनों ने चीन का दौरा किया है। लेकिन पार्टी टू पार्टी यानी भाजपा और सीपीसी के नेताओं की मुलाकात या संघ और सीपीसी की मुलाकात का क्या मतलब है?

कहा जा रहा है कि एक दूसरे की कार्यप्रणाली को समझने की कोशिश इस मुलाकात का मकसद थी। जाहिर है कि चीन को भारत से लोकतांत्रिक प्रणाली सीखने में कोई दिलचस्प नहीं होगी तो क्या भारतीय जनता पार्टी यह सीखने की कोशिश कर रही थी कि भारत में भी कैसे चीन की तरह एकदलीय व्यवस्था लागू हो सकती है? चीन की कम्युनिस्ट पार्टी इसके अलावा भाजपा या किसी भी पार्टी को और क्या सीखा सकती है? वहां एकदलीय व्यवस्था है। कम्युनिस्ट पार्टी ही सरकार है और सरकारी ही पार्टी है। दूसरी बात यह है कि कोई भी नेता पार्टी और सरकार के खिलाफ नहीं बोल सकता है। सर्वोच्च नेता शी जिनपिंग हैं और उनकी हर बात का समर्थन करना सिर्फ पार्टी के नेताओं का ही नहीं, बल्कि चीन की जनता का भी पुनीत कर्तव्य है। भारत में भी पार्टी और सरकार को तो एक कर दिया गया है और यहां भी मोदी और शाह के खिलाफ बोलने को देशद्रोह माना जाने लगा है लेकिन एक बाधा विपक्ष की है। विपक्ष अब भी मजबूत है और उसके नेता भाजपा को जवाबदेह बनाने की कोशिश करते रहते हैं। तभी हो सकता है कि सीपीसी से भाजापा ने इस मामले में कुछ टिप्स लिए हों।

इस मुलाकात के कारणों पर विचार करने पर ऐसा लगता है कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं से मिलने की मजबूरी भी हो सकती है। असल में भारत लगभग पूरी तरह से चीन पर आश्रित हो गया है। रोजमर्रा की जरुरत की चीजों से लेकर कृषि सेक्टर के उपकरणों, सेमीकंडक्टर सहित ऑटोमोबाइल सेक्टर के दूसरे कंपोनेंट, आईटी सेक्टर के उपकरण, दवाओं के लिए जरूरी कंपोनेंट आदि सब चीन से आता है। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 116 अरब डॉलर यानी 15 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। फिर भी चीन के साथ कारोबार करने की मजबूरी है। यह मजबूरी कैसी है इसे इस एक तथ्य से समझें कि भारत ने चीन के मांझे पर रोक लगाई है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के राज्य गुजरात में मकर संक्रांति पर पतंगोत्सव के दौरान चीनी मांझे से गला कटने की वजह से नौ लोगों की मौत हो गई। सोचें, जिस पर पाबंदी है वह माल भी चीन से आ रहा है और खुलेआम भारत में बिक रहा है। अगर चीनी मांझे से गला कटने से होने वाली मौतों का देश भर का आंकड़े देखें तो गुजरात से वाराणसी तक मरने वालों की संख्या और बड़ी हो जाएगी। बहरहाल, भारत की मजबूरी है कि वह चीन के साथ अच्छे संबंध रखे अन्यथा वह रेयर अर्थ मैटेरियल देना बंद कर देगा तो भारत क्या करेगा? हो सकता है कि मुलाकात इस मजबूरी में हुई हो।

लेकिन इस मजबूरी की मुलाकात को एक दूसरा रुप भी दिया जा सकता है। इस बात की चर्चा शुरू हो गई है कि भारत ने अमेरिका को मैसेज देने के लिए चीन के प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात भाजपा और संघ के नेताओं से कराई। ध्यान रहे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बात पर चिंता जता चुके हैं कि वे रूस और चीन के हाथों भारत को गंवा चुके हैं। इस धारणा को बदलने या ठीक करने के लिए ही भारत में नियुक्त राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि अमेरिका के लिए भारत से जरूरी कोई नहीं है। लेकिन जिस दिन गोर ने यह बात कही उसी दिन चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से भाजपा नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें आईं।

(यह लेखक के अपने विचार है)

शिक्षक अब पाठ्येत्तर कार्यों के लिए हैं

अजीत द्विवेदी

शिक्षक का मूल कार्य अध्ययन और अध्यापन है। भारत के सरकारी स्कूलों के शिक्षक अध्ययन का काम पहले ही काफी हद तक छोड़ चुके थे और अब अध्यापन का काम भी नाममात्र का रह गया है। शिक्षक अब स्कूलों में पढ़ाने के लिए नहीं हैं, बल्कि पाठ्येत्तर कार्यों के लिए हैं। उनके ऊपर इतने कामों की जिम्मेदारी लाद दी गई है कि वे बच्चों को पढ़ाने के लिए समय नहीं निकाल पा रहे हैं। सरकारी स्कूलों की शिक्षा का स्तर लगातार कम होता जा रहा है तो इसका एकमात्र कारण यह नहीं है कि शिक्षक अच्छे नहीं हैं या शिक्षकों के प्रशिक्षण की अच्छी व्यवस्था नहीं है। वह कई कारणों में से एक कारण है। असल में सरकारी स्कूलों की कार्यों की सूची में अध्यापन का कार्य प्राथमिकता में नहीं है।

उन्हें स्कूल से बाहर और स्कूल में भी कई दूसरे काम करने हैं, जिनका पढ़ाई-लिखाई से कोई मतलब नहीं है। जैसे अभी 12 राज्यों और केंद्र शासित राज्यों के शिक्षक मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के काम में लगे हैं। कुछ राज्यों के शिक्षक स्थानीय निकायों के चुनाव करा रहे हैं। इस साल और अगले साल दो चरणों में जनगणना का काम होगा और शिक्षक उसमें लगा दिए जाएंगे। पांच राज्यों के चुनाव भी हैं तो मतदान कराने से लेकर मतगणना तक उन राज्यों के सरकारी शिक्षक उसमें व्यस्त हो जाएंगे। वैसे उन राज्यों के स्कूल भी चुनाव के लिए आरक्षित होंगे। कहीं सुरक्षा बलों को ठहराया जाएगा तो कहीं मतदान केंद्र बनेंगे तो कहीं मतगणना केंद्र बनाए जाएंगे।

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण या संक्षिप्त पुनरीक्षण या मतदान और मतगणना या जनगणना जैसे कामों की सूची बेहद लंबी है, जो शिक्षकों को करना होता है। एक अनुमान के मुताबिक अध्ययन और अध्यापन के अलावा शिक्षकों को स्कूल के बाहर डेढ़ दर्जन किस्म के अन्य सरकारी काम करने होते हैं। एक शिक्षक ने तंज करते हुए सोशल मीडिया में लिखा था कि अच्छा है कि सरकार खेती नहीं कराती है अन्यथा बुवाई, कटाई का काम भी शिक्षकों को करना होता।

बहरहाल, सरकार परिवार और स्वास्थ्य का सर्वे करती है तो वह काम शिक्षक करते हैं, सरकार पशुओं की गिनती कराती है तो वह काम शिक्षक करते हैं, सरकार किसी आपदा की स्थिति में राहत सामग्री बांटती है तो वह काम भी शिक्षकों के जिम्मे होता है, किसी बीमारी या टीके के लिए जागरूकता फैलानी है तो उसका जिम्मा भी शिक्षकों के ऊपर होता है, सफाई अभियान चलाना है तो उसमें शिक्षकों को आगे किया जाता है, यहां तक कि सत्तापक्ष के किसी बड़े नेता की रैली होती है तो उसमें भी शिक्षकों को बस में भर कर रैली में जाना होता है। केंद्र और राज्य सरकारों के अलावा जिले के कलेक्टर, प्रखंड के बीडीओ और पंचायत के मुखिया भी शिक्षकों को किसी न किसी काम में लगाए रहते हैं।

स्कूल के बाहर शिक्षकों को जो डेढ़ दर्जन अलग अलग किस्म के काम करने होते हैं उसके बाद ऐसा नहीं है कि बचे हुए समय में उनको स्कूल में बच्चों को पढ़ाना है। स्कूल में उनको डेढ़ दर्जन अलग किस्म के काम करने हैं, जो अध्ययन और अध्यापन से इतर हैं। मिसाल के तौर पर मिड डे मील तैयार करना एक काम होता है। एक से ज्यादा शिक्षक तो इसी में लगे रहते हैं। राशन खरीदने से लेकर खाना तैयार कराना और बच्चों को खिलाना स्कूलों में प्राथमिकता का काम है। जब से सरकार को लगने लगा है कि मास्टर लोग राशन में गड़बड़ी करते हैं तब से गड़बड़ी नहीं होने के सबूत जुटाना यानी हर चीज का हिसाब रखना, वीडियो आदि बनाना, डैशबोर्ड पर अपलोड करना भी शिक्षकों का जिम्मा हो गया है। एक समय सरकार को लगा कि बच्चे सिर्फ खाने आते हैं या बच्चों की असली संख्या कम होता है और ज्यादा बच्चों के लिए खाना बनाने के नाम पर पैसे की गड़बड़ी होती है तब से शिक्षकों को यह काम भी दिया गया कि वे मिड डे मील खाने वाले बच्चों का फेशियल रिकग्निशन करें और उनकी वीडियो तैयार करें ताकि पुष्टि हो सके कि जिस बच्चे का नाम रॉल में है उसने स्कूल में खाना खाया। सो, मिड डे मील का मामला अब राशन खरीदने, खाना बनवाने और खिलाने के काम से काफी आगे बढ़ गया है। इस बीच तमिलनाडु सहित 12 राज्यों ने प्रस्ताव दिया है कि अगर स्कूलों में बच्चों को सुबह का नाश्ता भी दिया जाए तो उनका बेहतर पोषण होगा, उपस्थिति बढ़ेगी और पढ़ाई में उनका मन भी लगेगा। केंद्र सरकार इस पर विचार कर रही है। केंद्र और राज्य सरकारों को इसे भी लागू कर ही देना चाहिए ताकि शिक्षकों को पढ़ाने के काम से पूरी तरह से मुक्ति मिल जाए।

ऐसा नहीं है कि इतने पर भी शिक्षकों की जिम्मेदारी समाप्त हो जाती है। उन्हें और भी कई काम करने होते हैं। मान लीजिए कि शिक्षा मंत्री शिक्षा से जुड़े किसी कार्यक्रम को संबोधित करते हैं तो स्कूलों से कहा जाता है कि उनका भाषण बच्चों को सुनाया जाए ताकि वे 'लाभान्वित' हो सकें। केंद्रीय विद्यालयों में केंद्रीय शिक्षा मंत्री का भाषण सुनाया जाता है तो राज्यों के स्कूलों में राज्य के शिक्षा मंत्री का भाषण सुनाया जाता है। प्रधानमंत्री का भाषण तो सभी स्कूलों में सुनाया जाता है। भाषण सुनाने की व्यवस्था करने में कम से कम दो कक्षाएं प्रभावित होती हैं। लेकिन इतने पर काम खत्म नहीं होता है।

भाषण सुनते बच्चों की वीडिया बना कर उनको ऊपर भेजना होता है और किसी निर्धारित पोर्टल पर अपलोड भी करना होता है। यह काम हर सरकारी फंक्शन के बाद करना होता है। राष्ट्रीय दिवस का कार्यक्रम हो या नवाचार के नाम पर शुरू की गई किसी पहल का कार्यक्रम हो। उसे आयोजित करना, उसकी वीडियो बनाना और उसे अपलोड करना शिक्षकों की जिम्मेदारी होती है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

भारत को तुर्की से सीखना चाहिए

हरिशंकर व्यास

भारत के सामने एक मॉडल तुर्किए का है, जिसने न सिर्फ अपने को अपनी हथियार जरुरतों में आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि दुनिया के अनेक देशों को ड्रोन सहित अपने हथियार बेच रहा है। उसने पिछले 40 साल में इतने सुनियोजित तरीके से यह काम किया है कि भारत को उससे सीखना चाहिए। भारत ने भी देखा कि कैसे ऑपरेशन सिंदूर के समय तुर्किए से मिले ड्रोन से पाकिस्तान लड़ रहा था। अब भी उसी के ड्रोन गाहे बगाहे पाकिस्तान सीमा पर दिखते हैं। उसने सातवें दशक में साइप्रस संकट के समय अमेरिका और यूरोप ने उसको हथियार देने पर पाबंदी लगा दी थी। उसके बाद ही उसने अपने को आत्मनिर्भर बनाने का फैसला किया और 1985 में प्रेसिडेंसी ऑफ डिफेंस इंडस्ट्रीज के नाम से एक केंद्रीय संस्था बनाई। उसके बाद पिछले चार दशक में तुर्किए ने अलग ही पहचान बना ली है। भारत भी इस मॉडल पर काम कर सकता है।

इस मॉडल की कुछ खास बातें हैं। जैसे तुर्किए ने दूसरे देशों के साथ जो भी हथियार सौदा किया उसमें प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की अनिवार्य शर्त रखी। उसने अमेरिका, जर्मनी, इटली आदि से हथियारों का सौदा किया तो उसके लोकल प्रोडक्शन और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की शर्त रखी। उसने स्थानीय इंजीनियरों द्वारा उत्पादन की भी शर्त रखी। सोर्स कोड और डिजाइन पर अधिकार किया और लडाकू विमान से लेकर हेलीकॉप्टर और गाइडेड मिसाइल जैसी कई चीजों के उत्पादन का लाइसेंस हासिल किया। इसके बाद उसने ड्रोन क्रांति की, जिसमें निजी कंपनियों को शामिल किया। रक्षा उत्पादन में भी तुर्किए ने पब्लिक और प्राइवेट पार्टनरशिप में काम किया। लेकिन ड्रोन का पूरा क्षेत्र निजी कंपनियों को दिया और यह सुनिश्चित किया कि वे उत्पादन करें, बिकवाने की गारंटी उसकी होगी। यानी तुर्किए उनके लिए बाजार और ग्राहक जुटाएगा। आज स्थिति यह है कि अपनी रक्षा जरुरतों के मामले में तुर्किए 80 फीसदी आत्मनिर्भर है। इतना ही नहीं तुर्किए आज 180 देशों को अपने हथियार बेचता है। पूरा अफ्रीका उसका बाजार है। वह मध्य एशिया, खाड़ी देशों के साथ साथ यूरोप को भी हथियार बेचता है। उसने देश के कई हिस्सों में डिफेंस प्रोडक्शन के कलस्टर बनाए हैं, जहां उत्पादन होता है।

भारत अगर आज इस मॉडल पर चलना शुरू होता है तो अब तकनीक और उत्पादन की रफ्तार दोनों इतनी तेज हो गई है कि उसे तुर्किए की तरह 40 साल नहीं इंतजार करना होगा। वह सिर्फ 10 साल में अपनी जरुरतों के लिए आत्मनिर्भर हो जाएगा और दुनिया के रक्षा से जुड़े उत्पाद बेचने लगेगा। भारत के पास पहले से डीआरडीओ और अन्य पीएसयू हैं, जो रक्षा उपकरण बना रहे हैं। भारत जो व्यापारिक संधियां कर रहा है उसमें प्रौद्योगिक हस्तांतरण, लाइसेंस्ड प्रोडक्शन, लोकल इंजीनियर और लोकल प्रोडक्शन, सोर्स कोड व डिजाइन पर कंट्रोल आदि की शर्तें रखवाता है और निजी व सरकारी कंपनियों को इस काम में शामिल करता है तो बहुत जल्दी भारत में भी एक बड़ा मिलिट्री डिफेंस कॉम्प्लेक्स विकसित हो सकता है।

जी राम जी अधिनियम और लचीली एवं सतत् आजीविकाओं की दिशा में भारत की यात्रा

डॉ. विभा धवन

पिछले लगभग दो दशकों से ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम भारत की सामाजिक सुरक्षा संरचना का केंद्रीय स्तंभ रहे हैं। वर्ष 2005 में अधिनियमित महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) ने ग्रामीण परिवारों को आय सुरक्षा प्रदान की है, कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी का विस्तार किया है तथा आवश्यक सामुदायिक परिसंपत्तियों के सृजन में योगदान दिया है। जैसे-जैसे ग्रामीण भारत तीव्र आर्थिक, प्रौद्योगिक और पर्यावरणीय परिवर्तनों से गुजर रहा है, उभरती चुनौतियों और अवसरों का प्रभावी ढंग से उत्तर देने के लिए इस ढांचे को और अधिक सुदृढ़ करने की तात्कालिक आवश्यकता है।

विकसित भारत-रोज़गार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी अधिनियम, 2025 इस क्रमिक विकास को प्रतिबिंबित करता है। ग्रामीण रोजगार गारंटी ढांचे में सुधार के माध्यम से यह अधिनियम इस तथ्य को मान्यता देता है कि सतत् ग्रामीण समृद्धि केवल रोजगार सृजन पर ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, जलवायु जोखिमों के प्रति लचीलेपन तथा आजीविकाओं के संरक्षण पर भी आधारित होनी चाहिए। यह समेकित दृष्टिकोण ऐसे समय में अत्यंत प्रासंगिक है, जब ग्रामीण समुदाय जलवायु परिवर्तनशीलता, चरम मौसमीय घटनाओं और संसाधन दबाव के प्रति बढ़ती संवेदनशीलता का सामना कर रहे हैं।

जी राम जी अधिनियम क्यों विशिष्ट है

जी राम जी अधिनियम की एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें मजदूरी आधारित रोजगार को चार प्राथमिक क्षेत्रों के साथ संरेखित करने पर विशेष बल दिया गया है—जल सुरक्षा, मूल ग्रामीण अवसंरचना, आजीविका से संबंधित अवसंरचना तथा चरम मौसमीय घटनाओं के शमन से जुड़े कार्य। यह ग्रामीण रोजगार नीति के पर्यावरणीय और लचीलापन संबंधी आयामों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जल से संबंधित कार्य, मृदा एवं भूमि संरक्षण, जल निकासी प्रणालियाँ तथा जलवायु-अनुकूल अवसंरचना कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के साथ-साथ बाढ़, सूखा और भूमि क्षरण के प्रति संवेदनशीलता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब ऐसी परिसंपत्तियां प्रभावी ढंग से नियोजित तथा कार्यान्वित की जाती हैं, तो वे कई लाभ उत्पन्न करती हैं—अल्पकालिक रोजगार सृजन, प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर प्रबंधन तथा दीर्घकालिक आजीविका सुरक्षा। इन क्षेत्रों पर अधिनियम का विशेष बल इस तथ्य को रेखांकित करता है कि रोजगार कार्यक्रम एक साथ सामाजिक संरक्षण और जलवायु अनुकूलन के प्रभावी साधन के रूप में कार्य कर सकते हैं।

स्थानीय स्तर पर लचीलापन

अधिनियम की नियोजन पारिस्थितिकी—जिसका केंद्र विकसित ग्राम पंचायत योजनाएँ हैं तथा जिसमें परिसंपत्तियों को विकसित भारत राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना स्टैक के अंतर्गत एकीकृत किया गया है—ग्रामीण विकास के लिए एक सुसंगत और भविष्य के लिए तैयार दृष्टिकोण को समर्थन प्रदान करती है। विकेन्द्रीकृत नियोजन के माध्यम से पंचायतों को स्थानीय प्राथमिकताओं की पहचान करने का अवसर मिलता है, जबकि राष्ट्रीय प्लेटफार्मों के साथ एकीकरण व्यापक अवसंरचना एवं विकास उद्देश्यों के साथ समन्वय सुनिश्चित करता है।

कार्यान्वयन के दृष्टिकोण से यह ढांचा रोजगार गारंटी के अंतर्गत सृजित परिसंपत्तियों की गुणवत्ता, स्थायित्व और प्रासंगिकता में सुधार का अवसर प्रदान करता है। पर्याप्त तकनीकी सहयोग और क्षमता निर्माण के माध्यम से पंचायती राज संस्थान यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं कि सार्वजनिक कार्य, संसाधन संरक्षण तथा आपदा जोखिम न्यूनीकरण में सार्थक योगदान दें। अधिनियम के अंतर्गत परिकल्पित पारदर्शिता तंत्र, डिजिटल निगरानी उपकरण और सामाजिक अंकेक्षण जवाबदेही को और सुदृढ़ करते हैं तथा सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करते हैं।

सामाजिक संरक्षण और लचीलेपन पर ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान (टेरी)

सतत् विकास के प्रति वचनबद्ध एक शोध संस्थान के रूप में, टेरी ने यह समझने के लिए व्यापक रूप से कार्य किया है कि ग्रामीण समुदायों में लचीलापन विकसित करने के लिए सामाजिक संरक्षण तंत्रों को किस प्रकार सुदृढ़ किया जा सकता है। हमारे शोध से यह स्पष्ट हुआ है कि जब रोजगार कार्यक्रमों को पर्यावरणीय योजना और जोखिम-सूचित रूपरेखा के साथ जोड़ा जाता है, तो वे घरेलू तथा सामुदायिक—दोनों स्तरों पर अनुकूलन क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ा सकते हैं।

टेरी ने जलवायु लचीलापन, पारिस्थितिकी तंत्र पुनर्स्थापन तथा आजीविका की निरन्तरता को सम्मिलित करने हेतु नीतिगत ढांचों के पुनरोद्धार और सुदृढ़ीकरण से संबंधित सरकारी प्रक्रियाओं में विश्लेषणात्मक योगदान प्रदान किया है। इसमें कार्यक्रम अभिकल्पना में लचीलापन संबंधी पहलुओं के एकीकरण को समर्थन देना तथा रोजगार सृजन के साथ-साथ दीर्घकालिक पर्यावरणीय और सामाजिक परिणामों को प्रतिबिंबित करने वाले संकेतकों की पहचान करना शामिल है।

इसके अतिरिक्त, टेरी ने ऐसे वित्तीय मॉडल और नियोजन दृष्टिकोणों का अध्ययन किया है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक निवेश को अधिकतम करने में मदद कर सकते हैं — सामुदायिक परिसंपत्तियों को सुदृढ़ करना, दीर्घकालिक संवेदनशीलता को कम करना, और संसाधनों के उपयोग की दक्षता बढ़ाना। इस प्रकार के शोध-आधारित योगदान का उद्देश्य सरकारी पहलों का पूरक होना और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण का समर्थन करना होता है।

आजीविकाओं का संरक्षण

जी राम जी अधिनियम का दृष्टिकोण ग्रामीण आजीविकाओं को बनाए रखने के लिए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व को प्रमुखता देता है। जल सुरक्षा, कनेक्टिविटी, भंडारण और जलवायु-सहनशील अवसंरचना में निवेश प्रत्यक्ष रूप से कृषि, सहायक गतिविधियों और गैर-कृषि आजीविकाओं का समर्थन करता है। साथ ही, अधिनियम में शामिल प्रावधान, जैसे कि प्रमुख कृषि सीज़न के दौरान सार्वजनिक कार्यों में राज्य-निर्धारित विराम, यह सुनिश्चित करने में मदद करते हैं कि रोजगार सृजन कृषि गतिविधियों के पूरक के रूप में बना रहे।

एक कानूनी रोजगार गारंटी की निरंतरता, साथ ही जहाँ कार्य प्रदान नहीं किया जाता वहां बेरोजगारी भत्ता देने के प्रावधान, अधिनियम के सामाजिक संरक्षण उद्देश्यों को और मजबूत करते हैं। पूर्वानुमेय नियोजन और वित्तपोषण के साथ, प्रशासनिक क्षमता के सुदृढ़ीकरण के माध्यम से, कार्यक्रम की प्रभावशीलता और प्रतिक्रिया देने की क्षमता को और बढ़ाया जा सकता है।

'विकसित भारत 2047' की ओर

जैसे-जैसे भारत विकसित भारत 2047 के विज़न की ओर बढ़ रहा है, ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम समावेशी विकास प्रदान करने में एक बड़ी रणनीतिक भूमिका निभाएंगे। उनकी सफलता का मूल्यांकन केवल सृजित कार्यदिवसों की संख्या से नहीं, बल्कि लचीली आजीविकाओं, स्थायी अवसंरचना और महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में उनके योगदान से किया जाएगा।

इस संदर्भ में, विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम, 2025 इन परिणामों को प्राप्त करने के लिए एक मजबूत नीतिगत ढांचा प्रस्तुत करता है। पर्यावरणीय प्राथमिकताओं को सम्मिलित करके, जलवायु जोखिमों के प्रति लचीलापन बढ़ाकर और विकेन्द्रीकृत नियोजन को मजबूत करके यह अधिनियम ग्रामीण रोजगार को सतत् विकास की आधारशिला के रूप में स्थापित करता है। सरकार, शोध संस्थानों, राज्यों और स्थानीय समुदायों के बीच निरंतर सहयोग के माध्यम से यह सुधार यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है कि ग्रामीण रोजगार वर्तमान आवश्यकताओं के साथ-साथ भविष्य हेतु लचीलेपन में भी सार्थक योगदान दे—आज आजीविकाओं का समर्थन करते हुए कल की समृद्धि के लिए आवश्यक संसाधनों की रक्षा करना।

(यह लेखक के अपने विचार है)

हिंदुओं की आस्था पर प्रहार: लड्डू प्रसादम में मिलावट करोड़ों भक्तों का अपमान

तिरूपति,03 फरवरी (एजेंसी)। वायएसआरसीपी पर तीखा हमला करते हुए टीटीडी के अध्यक्ष बीआर नायडू ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रसिद्ध तिरुमाला मंदिर में लड्डू प्रसादम के निर्माण के दौरान वायएस जगनमोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान विशाल मिलावटी घी घोटाला हुआ है, जिसमें हानिकारक रसायनों का उपयोग किया गया ।उन्होंने इस कथित मिलावट को हिंदुओं का अपमान बताया है। बीआर नायडू के अनुसार, पिछले सरकार के दौरान टीटीडी को लगभग 60 लाख किलोग्राम मिलावटी घी, जिसकी कीमत लगभग 250 करोड़ रुपये है, आपूर्ति की गई ।तिरुपति में एक प्रेस कान्फ्रेंस को संबोधित करते हुए टीटीडी के अध्यक्ष ने कहा कि सीबीआई द्वारा संचालित एसआईटी की चार्जशीट, जो हाल ही में नेल्लोर एसीबी कोर्ट में दायर की गई, ने करोड़ों भक्तों के प्रति कथित अपमान, लूट और विश्वासघात को उजागर किया है। बीआर नायडू ने कहा, वायएसआरसीपी शासन में स्त्रीवारी लड्डू में हानिकारक रसायनों के साथ विशाल घी मिलावट घोटाला हिंदुओं का अपमान है। एसआईटी की चार्जशीट ने टीटीडी के अपमान, लूट और करोड़ों भक्तों के विश्वासघात को उजागर किया है। टीटीडी के अध्यक्ष के अनुसार, पिछले वायएसआरसीपी शासन ने घी खरीद टेंडरों में हेरफेर किया, पात्रता शर्तों को बदला और अयोग्य और असमर्थ कंपनियों को अनुबंध दिए। बिना पशुओं, बिना उत्पादन सुविधाओं और बिना शुद्ध घी बनाने की क्षमता वाली कंपनियों को केवल कमीशन के लिए टेंडर दिए गए।

बड़ी कंपनियों को पर्यावरणीय लागतों के लिए अधिक जिम्मेदारी उठानी होगी, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली,03 फरवरी (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एनजीटी के उस आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि यदि कोई कंपनी अपने बड़े पैमाने के कारोबार से अधिक लाभ कमाती है, तो उसे पर्यावरणीय लागतों के लिए अधिक जिम्मेदारी उठानी होगी। इस आदेश में पर्यावरण मानकों का उल्लंघन करने वाले एक बिल्डर पर पांच करोड़ रुपये का पर्यावरणीय मुआवजा लगाया गया था ।पीठ ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण से संबंधित मामलों में किसी कंपनी के परिचालन के पैमाने को पर्यावरणीय नुकसान से जोड़ना मुआवजे का निर्धारण करने में एक महत्वपूर्ण कारक हो सकता है। अदालत ने कहा कि बड़े पैमाने का मतलब अक्सर अधिक संसाधनों का उपयोग, अधिक उत्सर्जन और अधिक अपशिष्ट होता है,

बोकारो में सिटी कॉलेज के पास महिला का अर्धनग्न शव मिला, दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

बोकारो,03 फरवरी (एजेंसी)। सेक्टर छह थाना इलाके में बीएस सिटी कालेज के पास झाड़ियों में एक 40 वर्षीय महिला का अर्धनग्न शव पुलिस को सुबह मिला। महिला का चेहरा पत्थर से कुचला हुआ था। स्थानीय लोगों से सूचना मिलने पर थाना प्रभारी संगीता कुमारी अपने सहयोगियों के साथ मौके पर पहुंची। एसपी हरविंदर सिंह भी मौके पर आकर जांच में जुटे अधिकारियों को कई निर्देश दिए। खोजी कुत्तों की टीम को बुलाया गया। रांची से विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम को मौके पर साक्ष्य जुटाने के लिए भी बुलाया गया। शहर में चर्चाओं का बाजार गर्म है। पुलिस पर दबाव बढ़ गया है। महिला के कपड़ों को देखकर कयास लगाया गया कि वह आस-पास के किसी गांव की रहने वाली होगी। पुलिस आस-पास के थानों के साथ-साथ जिले भर के थानों को महिला की फोटो भेजकर शव की शिनाख्त की कोशिश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि शव की शिनाख्त होते ही अनसुलझी कई गुत्थी सुलझ जाएगी। इसके बाद हत्यारों को खोजने में मदद मिलेगी। मौके पर मिले साक्ष्यों को देखकर पुलिस यह कयास लगा रही है कि महिला की दुष्कर्म के बाद हत्या की गई और साक्ष्य छिपाने के लिए हत्यारे ने चेहरे को पत्थर से कुचल दिया। पुलिस ने अन्य बिंदुओं पर भी जांच शुरू कर दी है। पुलिस शव के शिनाख्त की कोशिश कर रही है। परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर महिला के साथ दुष्कर्म होने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। रांची से एफएसएल की टीम को साक्ष्य जुटाने के लिए बुलाया गया है। पुलिस बहुत जल्द हत्यारे को दबोच लेगी। घटनास्थल पर आकर वह जांच करने वाले अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

वकील की पेशी को नहीं माना जाएगा डराना-धमकाना : सुप्रीम कोर्ट

नईदिल्ली,03 फरवरी (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक वकील के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को खारिज करते हुए कहा है कि अपने पेशेवर कर्तव्यों का निर्वहन कर हुए किसी वकील की पेशी को डराना-धमकाना नहीं माना जाएगा ।जस्टिस अरविंद कुमार और पीबी वराले की पीठ ने कहा कि बिना ठोस सुबूतों के लचर आरोप आइपीसी की धारा 506 (आपराधिक डराना-धमकाना) के तहत अपराध नहीं बनाते। सर्वोच्च न्यायालय ने वकील बेरी मनोज के खिलाफ आइपीसी की धारा 506 के तहत दर्ज आपराधिक मामले को खारिज कर दिया, जो कि एक आरोपित के चाचा हैं, जो बच्चों के यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम (पोक्सो) के मामले में शामिल हैं। पीठ ने नोट किया कि पीडता के द्वारा दी गई बयान में सुधार हुआ है, जो कि सीआरपीसी की धारा 161 (पुलिस अधिकारी के समक्ष बयान) और धारा 164 (मेजिस्ट्रेट के समक्ष बयान) के तहत दर्ज किया गया था।

पीठ ने 20 जनवरी के आदेश में कहा, अंत में एक वकील की पेशी, जब वह पेशेवर कर्तव्यों का निर्वहन कर रहा हो, न तो डराना-धमकाना माना जाएगा और यह एक मौलिक तथ्य है जो इस मामले में स्पष्ट रूप से अनुपस्थित है ।सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 164 के तहत दर्ज स्पष्ट बयान से यह स्पष्ट होता है कि आपराधिक डराने-धमकाने का कोई इरादा प्रथम दृष्टया स्थापित नहीं हुआ है।

ओडिशा के जनजातीय इलाकों में न्याय की पहुंच मजबूत 2025 में 5644 लोगों को मिली मुफ्त कानूनी मदद

भुवनेश्वर,03 फरवरी (एजेंसी)। ओडिशा में जनजातीय और दूरदराज़ क्षेत्रों के लोगों को न्याय से जोड़ने की दिशा में राज्य सरकार ने अहम कदम उठाए हैं ।राष्ट्रीय विधिक सेवा संस्थानों के सहयोग से निःशुल्क कानूनी सहायता का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है, ताकि संसाधनों और कानूनी जागरूकता की कमी के कारण कोई भी वंचित वर्ग न्याय से वंचित न रह जाए। इस पहल से विशेष रूप से अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति समुदायों को लाभ मिल रहा है। विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) द्वारा देशभर में निःशुल्क और सक्षम कानूनी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। ओडिशा में यह व्यवस्था गांव और प्रखंड स्तर से लेकर ओडिशा उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय तक बहु-स्तरीय ढांचे के माध्यम से लागू की गई है ।राज्य के जनजातीय बहुल और ग्रामीण इलाकों में ग्राम विधिक देखभाल एवं सहायता केंद्र, जिन्हें विधिक सेवा क्लीनिक भी कहा जाता है, स्थापित किए गए हैं। नालसा (विधिक सेवा क्लीनिक) विनियम, 2011 के अनुसार ये केंद्र आबादी और स्थानीय जरूरतों के आधार पर एक गांव या गांवों के समूह को सेवाएं प्रदान करते हैं ।वर्तमान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) और तालुक विधिक सेवा समितियों (टीएलएससी) की निगरानी में ओडिशा में कुल 132 ग्राम विधिक देखभाल एवं सहायता केंद्र संचालित हो रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से लोगों को कानूनी समस्याओं के समाधान, सरकारी योजनाओं की जानकारी और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार इन केंद्रों की पहुंच लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2024 में अधिकारियों ने 8,029 लोगों से संपर्क किया, जिनमें से 4,593 लोगों को कानूनी सहायता प्रदान की गई। वहीं 2025 में 7,638 लोगों तक पहुंच बनाई गई और 5,644 लोगों को प्रत्यक्ष विधिक सहायता मिली।

इसके साथ ही ओडिशा में वैकल्पिक विवाद निपटान (एडीआर) व्यवस्था को भी सशक्त किया गया है ।वर्ष 2025 के दौरान नालसा की समय-सारणी के अनुरूप राज्य में चार राष्ट्रीय लोक अदालतों का आयोजन किया गया, जिनमें तालुक स्तर से लेकर ओडिशा उच्च न्यायालय तक के मामले शामिल रहे। इसके अलावा 27 जुलाई 2025 को जिला स्तर पर एक विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 से जुड़े मामलों पर विशेष फोकस रहा ।राज्य में सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित विवादों के निपटारे के लिए 22 स्थायी लोक अदालतें भी कार्यरत हैं।

भाजपा मंडल अध्यक्ष ने घर में घुसकर महिला को पीटा, सीसीटीवी वायरल होते ही पार्टी ने किया जवाब तलब

सतना ,03 फरवरी (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सतना जिले में रसूख और सत्ता के नशे में चूर एक भाजपा नेता की गुंडागर्दी का बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। नागौद से भाजपा के मंडल अध्यक्ष पुलकित टंडन पर एक महिला के घर में घुसकर उसके साथ मारपीट और बर्बरता करने का गंभीर आरोप लगा है। इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने आरोपी नेता के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है ।वायरल हो रहे वीडियो और पीड़िता की शिकायत ने सिहरन पैदा कर दी है। घटना देर रात की बताई जा रही है, जब आरोपी नेता जबरन पीड़िता के घर के परिसर में दाखिल हुआ। सीसीटीवी फुटेज में साफ तौर पर दिखाई दे रहा है कि लोहे के सरियों के एक गोदामनुमा स्थान पर आरोपी किस तरह महिला के साथ अभद्रता कर रहा है। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि पुलकित टंडन ने न केवल उसके साथ गाली-गलौज की, बल्कि उसे बुरी तरह पीटा और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। महिला का आरोप है कि आरोपी अपने राजनीतिक पद की धौंस दिखाकर उसे काफी समय से परेशान कर रहा था ।पुलिस ने दर्ज किया केस, एएसपी बोले- फुटेज बना आधारघटना के बाद दहशत में आई पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर नागौद थाने का रुख किया और लिखित शिकायत दर्ज कराई।

सोना हुआ महंगा तो बच्चों के लॉकेट-चकती के पीछे पड़ गए चोर, झटके में ब्लेड वार

भागलपुर,03 फरवरी (एजेंसी)। बच्चों के गले में धागे में पिरो कर पहनाई जाने वाली सोने की बनी देवी-देवता वाली लॉकेट-चकती है तो घर से बाहर निकलते समय सावधान रहना होगा। सोने की आसमान छूती कीमत के बाद इन दिनों बच्चों के गले में पड़ी सोने-चांदी के लॉकेट-चकती काटने वाले गिरोह की सक्रियता बढ़ गई है। चोर बच्चों को आसन टारगेट बना लॉकेट-चकती काटने लगे हैं। जिसकी चोरी-छिपे बेचने में अच्छी खासी कीमत भी मिल जा रही है। वर्ष 2024 में जहां लॉकेट-चकती काटने की 13 वारदात हुई तो सोने की आसमान छूती कीमत बाद वर्ष 2025-26 में अबतक 23 घटनाएं हो चुकी हैं। खलीफाबाग, स्टेशन रोड, बाबा वृद्धेश्वरनाथ मंदिर, शिव शिक्ति मंदिर क्षेत्र और शहर के व्यस्त बाजार क्षेत्र में बच्चों के गले में मौजूद लॉकेट-चकती काटने की ताक में रहते हैं। कोई महिला यदि बच्चों के साथ इन इलाके में पहुंचती तो गिरोह के सदस्य बच्चों के गले को ताड़ते रहतें हैं। यदि बच्चे के गले में लॉकेट या चकती दिख गई तो उस बच्चे के नजदीक गिरोह के सदस्य मंडराते हुए अपनी घेराबंदी कर ले रहे हैं। फिर मौका देख झटके में विशेष ब्लेड से लॉकेट-चकती वाली डोरी को काट कर भाग निकलते हैं ।गिरोह के सदस्य इतने चालाक हैं कि लॉकेट-चकती काटने वाला साथ में मंडरा रहे दूसरे साथी के हाथ में लॉकेट-चकती थमा देता है ताकि यदि वह पकड़ भी लिया जाए तो उसे काटा हुआ लॉकेट-चकती पुलिस या पब्लिक के हाथ नहीं लग सके। गिरोह का सरगना भी बड़ी होशियारी से अपने गिरोह में कम उम्र वाले युवकों को शामिल कर रखे हैं ताकि उनकी गतिविधियों पर जल्दी शिकार के साथ रहने वाले अभिभावकों को शक की गुंजाइश ही नही रहे ।वर्ष 2024 से अबतक बच्चों के गले से लॉकेट-चकती काटते समय गिरफ्तार आरोपितों में महाराजगंज गिरोह के ही सदस्य के रूप में पहचान सामने आई है। जिन्हें गिरोह का सरगना स्थानीय क्षेत्र में अपना ठिकाना बना गिरोह में शामिल कर रखा था। घर से बाहर अभिभावकों के साथ निकलने वाले बच्चों के गले में मौजूद सोने-चांदी के लॉकेट-चकती पर महाराजगंज गिरोह के सदस्यों की काली नजर लगी रहती है ।गिरोह में महिला और किशोरों की संख्या अधिक बताई जा रही है जो व्यस्त इलाके में बच्चों के गले में पड़ी सोने की चकती का धागा ब्लेड से काट कर झटके में लॉकेट- चकती ले भागते हैं। ऐसी वारदात को रोकने के लिए एसएसपी प्रमोद कुमार यादव ने सिटी एसपी की निगरानी में डीएसपी सिटी प्रथम अजय कुमार चौधरी, डीएसपी सिटी द्वितीय राकेश कुमार को लगा रखा है। पुलिस टीम को आंशिक सफलता मिली है ।वर्ष 2024 में बच्चों के गले से सोने-चांदी के लॉकेट-चकती काट लेने की 13 घटना हुई थी।

जबकि 2025-26 में अबतक ऐसी घटना की संख्या दूनी हो चुकी है। लॉकेट-चकती काटने की घटना वर्ष 2025-26 में अबतक 23 को पार कर चुकी है। जबकि वर्ष 2024 में पांच आरोपितों की गिरफ्तारी हुई थी। वर्ष 2025 में अबतक 14 आरोपितों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जो वर्ष 2024 के मुकाबले में हुई वारदात और गिरफ्तारी मामले में दूनी के करीब है। सर्वाधिक गिरफ्तारी जोगसर, कोतवाली और तातारपुर क्षेत्र से हुई है।

मेयर चुनाव से पहले सनसनीखेज घटना, कांग्रेस के पार्षदों को बस से अगवा करने की कोशिश, आधा दर्जन लोगों पर केस

चंद्रपुर ,30 जनवरी (एजेंसी)। महाराष्ट्र के चंद्रपुर में एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जब हाल ही में चुने गए कांग्रेस पार्टी के पार्षदों को बस से अगवा करने की कोशिश की गई। नकाबपोश लोगों ने यह कोशिश उस वक्त की, जब पार्षद चंद्रपुर म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (ष्टरूष्ट) से जुड़े औपचारिक काम के लिए नागपुर जा रहे थे। पुलिस ने इस मामले में आधा दर्जन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है और एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, यह घटना वर्धा जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे के पास, येलकेली टोल प्लाजा के नज़दीक शाम करीब 5:45 बजे हुई। 4 से 6 गाड़ियों में सवार करीब 20 नकाबपोश लोग बस के पास पहुंचे और जबरन कांग्रेस पार्षदों को उतारने की कोशिश करने लगे।

विजय वडेट्टीवार गुट के बताए जा रहे हैं पार्षदबस में सवार एक वरिष्ठ कांग्रेस पार्षद ने बताया कि पार्टी कार्यकर्ताओं के समय पर पहुंचने और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से अगवा करने की कोशिश नाकाम हो गई। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, बस में सवार 17 से 18 पार्षद कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार के समर्थक बताए जा रहे हैं। ये सभी पार्षद नागपुर में डिविजनल कमिश्नर कार्यालय में चुनावी जीत का औपचारिक पंजीकरण कराने जा रहे थे।

झड़प के बाद पुलिस ने संभाला मोर्चा

घटना की सूचना मिलते ही सावंगी पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और हालात पर काबू पाया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक आरोपी को पकड़ लिया, जिसकी पहचान नागपुर निवासी कनैन सिद्दीकी के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पार्षद राजेश अदूर की शिकायत पर कनैन सिद्दीकी और पांच अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (क्वहस्र) की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा कई अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है ।मेयर पद को लेकर कांग्रेस में खींचतानयह घटना ऐसे समय में हुई है, जब चंद्रपुर नगर निगम में मेयर पद को लेकर कांग्रेस के दो गुटों के बीच तनातनी चल रही है। एक गुट का नेतृत्व विजय वडेट्टीवार कर रहे हैं, जबकि दूसरा गुट कांग्रेस सांसद प्रतिभा धनोरकर से जुड़ा बताया जा रहा है। 15 जनवरी को हुए स्थानीय निकाय चुनावों में 66 सदस्यीय ष्टरूष्ट में कांग्रेस 27 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी है, हालांकि बहुमत के आंकड़े 34 से वह पीछे है। बीजेपी को 23 और शिवसेना (क्वज्ञ) को 6 सीटें मिली हैं। मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव 10 फरवरी को होना है। इस घटना ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है और पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है।

इस मशहूर अभिनेत्री और उनके पति की मुश्किलें बढ़ीं, 11.5 करोड़ की ठगी के मामले में एफआईआर दर्ज

मुंबई ,03 फरवरी (एजेंसी)। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की अभिनेत्री आकांक्षा अवस्थी और उनके पति पर 11.5 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप लगा है। मुंबई के पंतनगर पुलिस स्टेशन में इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित हितेश कांतिलाल अजमेरा सीमा शुल्क निकासी के व्यवसाय से जुड़े हैं, उन्होंने शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि आकांक्षा अवस्थी, उनके पति विवेक कुमार उर्फ अभिषेक कुमार सिंह चौहान और साथियों ने फिल्म इंडस्ट्री में मजबूत कनेक्शन और भारी मुनाफे का लालच देकर पीड़ित से पैसे ऐंठे।

शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने खुद को फिल्म इंडस्ट्री में प्रभावशाली बताया। अभिनेत्री आकांक्षा ने अंधेरी (पश्चिम) में स्थित अपने फिल्म स्टूडियो 'एकेएस पाठशाला एंटरटेनमेंट' का दावा किया, जहां भोजपुरी फिल्मों की शूटिंग और नए कलाकारों की ट्रेनिंग होती है। उन्होंने स्टूडियो के मालिकाना हक, शोहरत और 200 करोड़ रुपए के ब्याज-मुक्त लोन का वादा किया।

यही नहीं, अभिनेत्री के पति विवेक कुमार ने बिहार के बेतिया (पश्चिम चंपारण) में एक गोदाम में 300 करोड़ रुपए नकद फंसे होने की कहानी सुनाई। उन्होंने कहा कि कानूनी कारणों से पैसा नहीं निकाला जा सकता और उसे छुड़ाने के लिए निवेश चाहिए। बदले में चार दिन में 200 करोड़ रुपए बिना ब्याज लौटाने का भरोसा दिया गया। इसके लिए अभिनेत्री ने खुद पीड़ित को आश्वासन दिया ।जानकारी के अनुसार, मार्च से जुलाई 2024 के बीच पीड़ित ने अलग-अलग बैंक खातों में कुल 11.5 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। भरोसा मजबूत करने के लिए उन्हें पटना ले जाया गया और

अब कौन संभालेगा अजित दादा की विरासत? पार्टी में मंथन शुरू, रेस में ये दो नाम सबसे आगे

मुंबई ,03 फरवरी (एजेंसी)। बारामती प्लेन क्रैश में अजित पवार के निधन के बाद अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के भविष्य को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। पार्टी के भविष्य के साथ-साथ अजित पवार के बदले सरकार में डिप्टी सीएम की जिम्मेदारी कौन संभालेगा, इसको लेकर भी चर्चा हो रही है। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार से कई नेताओं ने मुलाकात की है ।राजनीतिक हलकों में इस संभावित उत्तराधिकार को लेकर दो नाम सबसे आगे बताए जा रहे हैं अजित पवार की पत्नी एवं राज्यसभा सदस्य सुनेत्रा पवार और उनके ज्येष्ठ पुत्र पार्थ पवार।

क्या पवार परिवार से ही आएगा अगला प्रत्याशी?

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बारामती सीट पर पवार परिवार का प्रभाव इतना गहरा है कि यदि कभी उपचुनाव जैसी स्थिति बनती है, तो पार्टी परिवार के ही किसी सदस्य को मैदान में उतार सकती है। ऐसे में जीत की संभावना भी मजबूत मानी जाती है। सवाल सिर्फ इतना है कि परिवार किस चेहरे पर भरोसा जताता है। पिछले तीन वर्षों में पवार परिवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की राजनीति में बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। जुलाई 2023 में अजित पवार द्वारा पार्टी में अलग राह चुनने और बड़ी संख्या में विधायकों को अपने साथ लाने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में नए समीकरण बने।

बारामती की राजनीति और बदलते समीकरणबारामती संसदीय क्षेत्र में जहां सुनेत्रा पवार को हार का सामना करना पड़ा, वहीं इसके कुछ ही महीनों बाद हुए विधानसभा चुनाव में अजित पवार ने आठवीं बार जीत दर्ज कर अपनी मजबूत पकड़ साबित की। उस चुनाव में उनके मुकाबले शरद पवार ने अपने भतीजे युगेंद्र पवार को मैदान में उतारा था। अब जब भविष्य की राजनीति को लेकर चर्चा हो रही है, तो समर्थकों का एक वर्ग चाहता है कि सुनेत्रा पवार को विधानसभा राजनीति में लाया जाए, जबकि दूसरा वर्ग पार्थ पवार को अगली पीढ़ी के प्रतिनिधि के रूप में देखना चाहता है ।सुनेत्रा बनाम पार्थ आखिर कौन ज्यादा मजबूत?

सुनेत्रा पवार फिलहाल राज्यसभा की सदस्य हैं और राष्ट्रीय राजनीति का अनुभव रखती हैं। वहीं पार्थ पवार 2019 में मावल लोकसभा सीट से चुनाव हारने के बाद सक्रिय चुनावी राजनीति से दूर हैं। हालांकि, समर्थकों का मानना है कि यह मौका उनकी राजनीतिक वापसी और महत्वाकांक्षा को नई दिशा दे सकता है। सूत्रों के अनुसार, पवार परिवार के भीतर बदले समीकरणों के चलते इस बार शरद पवार और सुप्रिया सुले का झुकाव भी पार्थ पवर की ओर हो सकता है ।उपमुख्यमंत्री पद को लेकर भी अटकलेंभविष्य में यदि सत्ता संतुलन में बदलाव आता है, तो मौजूदा सरकार में नेतृत्व और जिम्मेदारियों को लेकर भी नए सिरे से मंथन होना तय माना जा रहा है। हालांकि, इस पर अभी किसी ठोस अनुमान से इनकार किया जा रहा है।

एक बार फिर बदलेगा एनसीआर का मौसम, बारिश-आंधी से गिरेगा तापमान, हवा हुई साफ

नई दिल्ली ,03 फरवरी (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने जा रहा है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 31 जनवरी और 1 फरवरी को दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश, गरज-चमक और तेज सतही हवाओं का असर देखने को मिलेगा ।इस दौरान न्यूनतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की जाएगी, जिससे ठंड का असर एक बार फिर बढ़ सकता है। मौसम पूर्वानुमान रिपोर्ट के मुताबिक 30 जनवरी को एनसीआर में मध्यम स्तर का कोहरा छाया रहेगा। इस दिन अधिकतम तापमान लगभग 19 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया जाएगा ।31 जनवरी को मौसम और ज्यादा सक्रिय रहने वाला है। दिन की शुरुआत मध्यम से घने कोहरे के साथ होगी, जबकि शाम और रात के समय गरज-चमक के साथ बारिश, बिजली गिरने और तेज सतही हवाओं की संभावना जताई गई है। इस दिन अधिकतम तापमान 20 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

प्रदीप ने अकोंकागुआ चोटी पर फहराया तिरंगा:माइनस 20 डिग्री, ऑक्सीजन की कमी और पथरीले रास्ते डिगा नहीं सके

रायपुर/बिलासपुर,03 फरवरी (एजेंसी)। साहस और अदम्य इच्छाशक्ति का अद्वितीय उदाहरण पेश करते हुए इंदौर आरटीओ प्रदीप कुमार शर्मा ने विश्व की सबसे दुर्गम पर्वत चोटियों में शामिल माउंट अकोंकागुआ (6,962 मीटर) पर तिरंगा फहराकर इतिहास रच दिया।अकोंकागुआ को 'अमेरिका का शिखर' कहा जाता है और यह विश्व की सबसे ऊंची पर्वत चोटी मानी जाती है। उन्होंने बताया, माइनस 20 डिग्री तापमान और ऑक्सीजन की कमी के बीच हाड़ कंपा देने वाली ठंड में आखिरी दिन लगातार 10.30 घंटे की भीषण चढ़ाई के बाद वे शिखर पर पहु?चे, जहां उन्होंने तिरंगा फहराया और देश को समर्पित यह क्षण इतिहास में दर्ज कर दिया।उन्होंने जो सपना सच किया, इसके लिए परिवार के सदस्यों की ताकत और प्रेरणा है। इसमें उनकी पत्नी प्रिया शर्मा, बेटी प्रियल और अनविता का काफी सहयोग रहा, जिसकी वजह से यह असंभव को संभव कर दिखाया। आरटीओ प्रदीप शर्मा बिलासपुर (छत्तीसगढ़) के रहने वाले हैं।शर्मा के साथ इस अभियान में चार सदस्यीय समूह था। दो पर्वतारोही पहले एवरेस्ट

फतह कर चुके थे, लेकिन रास्ते में तबीयत बिगड़ने के कारण उन्हें लौटना पड़ा। तीसरे पर्वतारोही ने अंतिम समिट तक साथ दिया, लेकिन शारीरिक समस्या के कारण उन्हें भी बीच से लौटना पड़ा।यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है: शर्माआरटीओ शर्मा ने कहा, मैं प्रोफेशनल पर्वतारोही नहीं हूं, लेकिन विशेषज्ञों की सलाह और मार्गदर्शन में यह उपलब्धि हासिल कर सका। माउंट अकोंकागुआ शिखर पर तिरंगा फहराना मेरे जीवन का सबसे भावुक क्षण था। उन्होंने कहा, अगर संकल्प मजबूत हो तो कोई भी ऊंचाई असंभव नहीं हैं। उज्जैन में 10,000 फीट से स्काई डाइविंग। 6भोपाल एसबीआई हाफ मैराथन में भागीदारी। 6 भोपाल से सीहोर तक हॉट एयर बैलून फ्री-फॉल यात्रा। 6 पैराग्लाइडिंग, पैरामोटर सेलिंग और स्कूबा डाइविंग जैसी गतिविधियां कर चुके हैं।

पति कर रहे दुर्व्यव्हार, ससुराल ने स्वीकार नहीं किया : खुशबू

रायपुर, 03 फरवरी (एजेंसी)। पति द्वारा लिव इन रिलेशन में रहने के बाद शादी करने के उपरांत अपने माता-पिता के दबाव में मारपीट कर उनके पति को दूर करने की जानकारी खुशबू जांगड़े उर्फ तिवारी भटगांव निवासी जिला सारंगढ़ ने प्रेस क्लब रायपुर पहुंचकर दी। उन्होंने पत्रकारवार्ता में बताया कि वे पहले अपने पति यज्ञ नारायण तिवारी के साथ लिव इन रिलेशन में रही, विवाह के उपरांत ससुराल द्वारा उनके साथ पति को भड़काने पर पति द्वारा मारपीट की गई ।

चाकू की नोक पर सफाई कर्मचारी से लूटपाट, दो गिरफ्तार

रायगढ़, ,03 फरवरी (एजेंसी)। रायगढ़ के रेलवे स्टेशन सक्ती में सफाई कर्मचारी से चाकू दिखाकर शराब के पैसे मांगने वाले दो आरोपियों को जीआरपी ने गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता अजय डहरिया ने बताया कि 27 जनवरी को वह और उनके साथी पुरूषोत्तम शांडिल्य प्लेटफार्म 2 में सफाई का काम कर रहे थे। इसी दौरान भरत दास महत और विक्की यादव ने उनसे शराब के पैसे मांगे। पैसे देने से इनकार करने पर विक्की यादव ने चाकू लहराकर दोनों कर्मचारियों को डराया और अजय का मोबाइल छीनकर फरार हो गए।

अजय की शिकायत पर मामला दर्ज कर पुलिस ने विवेचना शुरू की। 29 जनवरी को आरोपियों की तलाश के दौरान जीआरपी ने दोनों को रेलवे स्टेशन सक्ती से पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 26 वर्षीय भरत दास महत और 20 वर्षीय विक्की यादव के रूप में हुई। जांच में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल किया। उनके कब्जे से एक मोबाइल फोन और स्टील का बटन वाला चाकू बरामद किया गया।

एजेंसी दिलाने के नाम पर सराफा कारोबारी से 28 लाख की ठगी

रायपुर,,03 फरवरी (एजेंसी)। दोपहिया ई वाहन की एजेंसी दिलाने के नाम पर शहर के सराफा कारोबारी से 28 लाख रुपए ठग लिए। यह वसूली छमाह के दौरान की और 27 माह से वापस न करने पर पीड़ित ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई। कोतवाली पुलिस के अनुसार के के ज्वेलर्स बुढ़ापारा का संचालक रूपेश सोनी ने ढाई वर्ष पहले मई 23 में ई बाइक की एजेंसी लेने की योजना बनाई थी। उसने पंकज कुमार जैन और सागर प्रकाश सिक्के से संपर्क किया। दोनों ने सहमति दी और सुरक्षा निधि के नाम पर मई से अक्टूबर 23 के बीच अलग अलग डेट पर 20 लाख रुपए रूपेश से लिए।और अब तक एजेंसी नहीं दिलाई। न रकम वापस कर रहे। रूपेश ने कल रात कोतवाली में धारा 420,34 के तहत मामला दर्ज कराया।

हिस्ट्रीशीटर की हत्या, जमानत पर छूटा था जेल से

बिलासपुर, ,03 फरवरी (एजेंसी)। हिस्ट्रीशीटर की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। निगरानी बदमाश एक सप्ताह पहले ही जेल से बाहर आया था। वह अपने युवक पर जानलेवा हमले के पुराने मामले में समझौता करने के लिए दबाव बना रहा था। इसी पुरानी रंजिश के चलते युवक और उसके साथियों ने मिलकर हिस्ट्रीशीटर पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर मार डाला। वारदात के बाद आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने थाने का घेराव कर दिया। जिससे देर रात तक तनाव की स्थिति बनी रही। जानकारी के मुताबिक, मृतक युवक का नाम शानू उर्फ अमन हुसैन (25) है। जो हटरी चौक स्थित लाइफ केयर अस्पताल के पास रहता था। वह विकास तिवारी पर पुराने मामले में समझौता करने के लिए दबाव बना रहा था। जिसके चलते वारदात को अंजाम दिया गया। हालांकि, इस मामले में मुख्य आरोपी समेत 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

ऑनलाइन ठगी की रकम निकालने वाला आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग, ,03 फरवरी (एजेंसी)।ऑनलाइन ठगी के बढ़ते मामलों के बीच दुर्ग पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। जेना स्मॉल फाइनेंस बैंक, सुपेला में खाता खुलवाकर ऑनलाइन ठगी की रकम आहरण करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खाते में 12 लाख 78 हजार 997 रुपए की अवैध धनराशि जमा होने का खुलासा हुआ है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है।

मामले की जानकारी गृह मंत्रालय द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल के माध्यम से प्राप्त हुई थी। पोर्टल से पुलिस को एक म्यूल अकाउंट से जुड़े इन्कालेजमेंट की सूचना मिली थी। जांच में सामने आया कि यह खाता जेना स्मॉल फाइनेंस बैंक, सुपेला में खोला गया है। पुलिस जांच में खाता धारक की पहचान मोहम्मद गुलाम अंसारी (36 वर्ष), निवासी वैशाली नगर के रूप में हुई। आरोपी ने बैंक में खाता खुलवाकर ऑनलाइन ठगी की रकम प्राप्त करने और निकालने के लिए उसका इस्तेमाल किया। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने 16 अक्टूबर 2024 से लगातार अपने खाते में ऑनलाइन धोखाधड़ी से प्राप्त रकम जमा करवाई। पुलिस के अनुसार आरोपी ने छलपूर्वक और बेईमानी से अवैध धनलाभ अर्जित करते हुए अपने खाते में कुल 12,78,997 की रकम जमा करवाई। यह रकम विभिन्न ऑनलाइन ठगी मामलों से संबंधित बताई जा रही है। आरोपी इस अवैध धन का उपयोग संपत्ति संवर्धन और निजी लाभ के लिए कर रहा था। सभी तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर थाना सुपेला में आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 158/2026 दर्ज किया गया। आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2) और 318(4) के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। इसके बाद पुलिस ने मोहम्मद गुलाम अंसारी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। दुर्ग पुलिस का कहना है कि ऑनलाइन के मामलों में म्यूल अकाउंट का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है।

रायपुर में राष्ट्रीय वॉलीबॉल की बड़ी वापसी, 13 साल बाद सजेगा खेल का बड़ा मंच

रायपुर, 03 फरवरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर एक बार फिर देश के खेल नक्शे पर प्रमुखता से उभरने जा रही है। यहां आयोजित होने वाली 37वीं फेडरेशन वॉलीबॉल चैंपियनशिप के जरिए प्रदेश में लंबे अंतराल के बाद राष्ट्रीय स्तर की वॉलीबॉल प्रतियोगिता लौट रही है, जिससे शहर में खेलों को लेकर उत्साह चरम पर है। इस अहम टूर्नामेंट में देश की नामी टीमें मैदान में उतरेंगी। इंडियन रेलवे, इंडियन यूनिवर्सिटी और भारतीय सेना जैसी मजबूत टीमों की मौजूदगी मुकाबलों को रोमांच और प्रतिस्पर्धा से भर देगी। दर्शकों को तेज रफ्तार और तकनीकी कौशल से भरपूर मैच देखने को मिलेंगे। आयोजन से जुड़े अकरम साहब ने जानकारी दी कि प्रतियोगिता का प्रसारण वैश्विक स्तर पर किया जाएगा। इससे रायपुर और पूरे छत्तीसगढ़ को अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर पहचान मिलेगी। इस चैंपियनशिप की एक अनूठी पहल स्थानीय संस्कृति से जुड़ी है। यदि मुकाबला निर्णायक पांचवें सेट तक पहुंचता है, तो उस दौरान कमेंट्री छत्तीसगढ़ी भाषा में की जाएगी, जिससे क्षेत्रीय भाषा को भी वैश्विक दर्शकों तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। आयोजकों ने खिलाड़ियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बेहतर ठहरने की व्यवस्था, पौष्टिक भोजन और चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया है।राष्ट्रीय स्तर की टीमें, अंतरराष्ट्रीय प्रसारण और स्थानीय सांस्कृतिक रंग के साथ यह आयोजन खेल प्रेमियों के लिए यादगार बनने जा रहा है। रायपुर अब एक नए खेल अध्याय की शुरुआत का गवाह बनने को तैयार है।

फेसबुक पर लिखा-जादू-टोना कर पत्नी ने गर्लफ्रेंड से दूर किया:सब कुछ मेरी वाइफ का किया धरा है चैट्स वायरल कर पति ने लगाई फांसी

दुर्ग-भिलाई ,03 फरवरी (एजेंसी)।छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में अपनी गर्लफ्रेंड को बचाने के लिए बॉयफ्रेंड ने फांसी लगा ली। भोज नारायण (36) पेशे से ग्राफिक्स डिजाइनर है। शादी के बाद भी उनका एक अन्य महिला से अफेयर था। पति ने आरोप लगाया है कि पत्नी ने दोनों को दूर करने के लिए जादू टोना करवाया है। मामला जामुल थाना क्षेत्र का है।पति ने अपने फेसबुक पेज पर सुसाइड नोट लिखा कि पत्नी के जादू टोना कराए जाने के बाद हम दोनों का प्यार खत्म हो गया। उसकी गर्लफ्रेंड का स्वास्थ्य भी खराब हो गया और उसे प्यार का एहसास होना भी बंद हो गया। 28 जनवरी को भोज नारायण का शव फंदे पर लटका मिला। अंतिम संस्कार के बाद पुलिस पत्नी से पूछताछ कर रही है।जानिए क्या है पूरा मामला ?जानकारी के मुताबिक, युवक का नाम भोज नारायण (36) है। वह रुंगटा कॉलेज में सीनियर ग्राफिक्स डिजाइनर था। मूल रूप से गरियाबंद के राजिम का रहने वाला था और भिलाई में किराए के मकान में रहता था।भोज नारायण शादीशुदा था। लेकिन उसका एक अन्य महिला प्यून के साथ प्रेम संबंध था, वो भी शादीशुदा थी। यह बात उसकी पत्नी को पता थी। जिसका वह विरोध भी करती थी।गर्लफ्रेंड को लेकर पत्नी से होता था विवाददरअसल, भोज नारायण की एक बेटी भी है। कर्ज के कारण वह पिछले कुछ समय से तनाव में था। कुछ दिनों पहले वह घर से लापता हो गया

था, जिसके बाद पत्नी ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। जांच के दौरान सामने आया कि उसका महिला प्यून से अफेयर है।जांच में यह भी सामने आया है कि भोज अपनी गर्लफ्रेंड को बाहर लेकर गया था। बाद में जब वह उसे छोड़कर घर लौट आया, तो पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया। पत्नी ने उसे समझाने की कोशिश की और संबंध खत्म करने की बात कही, लेकिन भोज नहीं माना और गर्लफ्रेंड के संपर्क में बना रहा।फांसी लगाकर सुसाइड किया28 जनवरी को भोज ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उस समय वह घर पर अकेला था। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, शव को फंदे से उतारा और पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। 29 जनवरी को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इसके बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए गांव रवाना हो गए। फिलहाल, जामुल थाना पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। पत्नी और परिजनों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं।

धान न बिकने से परेशान किसान टावर पर चढ़ा, अरेस्ट:120 फीट ऊंचाई पर बैठा रहा, पुलिस ने समझाकर नीचे उतरवाया, फिर भेजा गया जेल

जांजगीर-चांपा,03 फरवरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में धान का टोकन नहीं मिलने पर परेशान किसान शराब के नशे में 120 फीट ऊंचे हाई टेंशन टावर पर चढ़ गया। ग्राम कसौंदी में किसान अनिल गढ़वाल (35 साल) करीब 3 घंटे तक वहीं चढ़ कर बैठा रहा। इस दौरान वह कभी झूलते नजर आया तो कभी पोल पकड़कर नीचे उतरते नजर आया।

मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें किसान ने कहते हुए नजर आ रहा है कि जब तक बचे हुए धान की बिक्री नहीं होगी, तब तक वह नीचे नहीं उतरेगा।

किसान ने बताया कि धान खरीदी का आखिरी दिन है और 150 बोरा धान वह नहीं बेच पाया, उस पर डेढ़ लाख का कर्ज भी है। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। बाद में किसी तरह समझाकर उसे नीचे उतारा गया, जिसके बाद पुलिस उसे गिरफ्तार कर थाने ले गई।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम कसौंदी निवासी किसान अनिल गढ़वाल (35 साल) के पास करीब 2.77 एकड़ कृषि भूमि है। जिसमें वह धान की खेती करता है।

अनिल का कहना है कि इस खरीफ सीजन में वो गोद धान मंडी में एक बार में 29 क्विंटल धान बेच चुका है, लेकिन उतनी ही मात्रा में 29 क्विंटल यानि करीब 150 बोरा धान अब तक नहीं बिका है। बार-बार प्रयास के बावजूद जब उसका टोकन नहीं कटा, तो वह मानसिक रूप से बेहद परेशान हो गया।

शनिवार (31 जनवरी) सुबह करीब 9 बजे गुस्से में उसने खूब शराब पी फिर घर से निकलकर सीधे गांव के पास लगे 120 फीट ऊंचे हाई टेंशन टावर पर चढ़ गया।

किसान की आवाज सुनकर गांव के लोग मौके पर जमा हो गए। देखते ही देखते वहां भारी भीड़ जमा हो गई। लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं, तहसीलदार राजकुमार मरावी भी प्रशासनिक टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। प्रशासन और पुलिस के अधिकारी लगातार किसान को समझाने-बुझाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन किसान टावर से उतरने को तैयार नहीं था।

इधर, किसान की चेतावनी के बाद पुलिस-प्रशासन की टीम टेंशन में आ गई। उन्होंने हालात को देखते हुए नगर सेना (होमगार्ड) की टीम को भी बुलाया लिया। रेस्क्यू के लिए जवान सुरक्षा जाली लेकर पहुंचे और टावर के नीचे जाली बिछा दी गई, ताकि किसी भी अनहोनी से बचा जा सके।वहीं किसान के टावर पर चढ़ने की जानकारी परिजन को मिली तो वह भी तुरंत मौके पर पहुंच गए। पत्नी ने मोबाइल से पति अनिल से बात की और उसे नीचे उतरने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन अनिल सुनने को तैयार नहीं था। वह टावर पर इधर-उधर टहलता रहा और अपनी जिद पर अड़ा रहा।

किसान का यह पूरा ड्रामा करीब तीन घंटे तक चलता रहा। इस हरकत से वहां मौजूद लोग काफी डर गए थे। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने भी सब्र से काम लिया। आखिरकार अधिकारियों के आश्वासन के बाद किसान को सुरक्षित नीचे उतारा गया। किसान को नीचे उतारते ही पुलिस उसे अस्पताल ले गई। हालांकि किसान की हालत स्थिर है।जांजगीर के कांग्रेस विधायक व्यास कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की धान खरीदी नीति में ऐसा कोई स्पष्ट लिखित आदेश नहीं है, फिर भी जिले में किसानों के लिए खास तौर पर कठोर फैसले लिए जा रहे हैं। इसकी वजह से आज हजारों किसान परेशान हैं।

उन्होंने कहा कि कई किसानों के टोकन कट चुके हैं, तो कई ऐसे किसान हैं जिनके टोकन अब तक नहीं कट पाए हैं। इसी मजबूरी का नतीजा है कि ग्राम कसौंदी का एक किसान हाई टेंशन टावर पर चढ़कर विरोध कर रहा है।किसान का कहना है कि जब तक सरकार उसका धान नहीं खरीदेगी, तब तक वह नीचे नहीं उतरेगा। किसान के पास 150 कट्टी से ज्यादा धान बचा हुआ है और उस पर करीब डेढ़ लाख रुपये का कर्ज भी है।

विधायक ने जिले के किसानों के हित में तुरंत फैसला लेने की मांग की। विधायक ने कहा कि कलेक्टर महोदय को मौखिक नहीं, बल्कि लिखित आदेश जारी करने चाहिए, क्योंकि केवल मौखिक फैसले किसानों के हित में नहीं हैं।

साथ ही उन्होंने कहा कि वे लगातार पंजीकृत किसानों की सही जानकारी लेने की मांग कर रहे हैं। अगर समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आगे भी ऐसी घटनाएं होती रहेंगी।

किसान अनिल गढ़वाल को नीचे उतारने के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी पर सार्वजनिक जगहों में हंगामा करने, आत्महत्या का प्रयास करने जैसे कई धाराएं लगाई है। पुलिस के मुताबिक वह नशे में था।

पूछताछ में आरोपी ने धान बिक्री नहीं होने और टोकन नहीं मिलने से परेशान होकर आत्महत्या की धमकी देकर दबाव बनाने की बात स्वीकार की। उसके खिलाफ धारा 224,226,296,308(4) तहत मामला दर्ज किया गया है।

50 हजार रूपये की हेरोईन के साथ पकड़ाया युवक

रायपुर,03 फरवरी (एजेंसी)। राजधानी रायपुर में नशे के कारोबार पर शिकंजा कसने चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कबीर नगर पुलिस ने अंतर्राज्यीय स्तर पर सक्रिय एक आरोपी 50 हजार रूपये कीमत की 8.53 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) संदीप कुमार पटेल के नेतृत्व एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में की गई। वहीं, संपूर्ण कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ईशु अग्रवाल के निर्देशन तथा थाना प्रभारी कबीर नगर निरीक्षक एस.एन. सिंह के नेतृत्व में अंजाम दी गई।

मरीन ड्राइव:पार्किंग है नहीं, सड़क पर बोर्ड लगा पैसे वसूलेगा निगम

रायपुर,03 फरवरी (एजेंसी)। अगर आप भी तेलीबांधा तालाब (मरीन ड्राइव) जाते हैं और सड़क पर गाड़ी पार्क करते हैं तो आपको चार्ज देना होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि नगर निगम तेलीबांधा तालाब आने वाले शहरवासियों से शुल्क वसूलने की तैयारी में है।यहां आने वाले लोगों को सड़क पर गाड़ी खड़ी करने के लिए पार्किंग शुल्क देना होगा। निगम ने यहां पर इससे संबंधित बोर्ड भी लगा दिया है। लगाए गए पार्किंग बोर्ड के अनुसार तेलीबांधा तालाब के सामने सड़क पर बाइक की 4 घंटे की पार्किंग के लिए 10 और कार पार्क करने पर 20 रुपए वसूले जाएंगे। निगम का दावा है कि इससे तेलीबांधा मुख्य मार्ग में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी। क्योंकि यहां पार्क की जाने वाली गाड़ियां व्यवस्थित खड़ी होंगी।इधर, तेलीबांधा तालाब में

के एक तरफ तो महंगे रेस्टोरेंट्स और दुकानें हैं। वहीं तालाब के एरिया को चौपाटी की तरह विकसित की गई है। ऐसे में यहां बड़ी संख्या में वेंडर ठेले लगाते हैं। यहां समय बिताते हुए खाने का जायका लेने के लिए भी बड़ी संख्या में लोग आते हैं। बावजूद इसके यहां पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं की गई है।

दिनभर के काम के बाद रोज शाम को मैं मरीन ड्राइव पर वाक करने आता हूं। निगम का पार्किंग शुल्क वसूलने का निर्णय गलत है। जबकि मरीन ड्राइव के मेंटेनेंस और सफाई पर निगम का ध्यान नहीं है।

रोजाना बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। यह एरिया चौपाटी के रूप में विकसित की गई है। ऐसे में सुबह से लेकर शाम तक यहां बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। यही नहीं सुबह और शाम के समय यहां लोग वाक करने भी आते हैं। सामान्य दिनों में इनकी संख्या करीब 500 होती है, लेकिन वीकेंड में यह संख्या दोगुनी हो जाती है।पैसा वसूलना नहीं, जाम से राहत दिलाना उद्देश्यतेलीबांधा तालाब में मॉर्निंग वाक पर आने वालों से कोई वसूली नहीं होगी। शाम के समय यहां अस्त-व्यस्त गाड़ियां पार्क होती है। व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से इसे शुरू किया जा रहा है न कि पैसे वसूलने के उद्देश्य से। - मीनल चौबे, महापौर पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं : तेलीबांधा तालाब

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

1		■	2	■	3		4	
	■	5			■	■		■
6				■	7	8		9
	■		■	10			■	
■	11				■	12		
13		■	■	14	14ए		■	■
	■	15				■	16	■
	■		■		■	17		18
■	19			■	20			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां	■	■	इं	■	■	■
स	ह	■	ब	र	सा	त	■	प
■	क	हा	नी	■	न	क	च	ढ़ा
त	■	■	स्ब	■	■	ली	■	ई
क	या	म	त	■	क	फ	न	■
दी	■	र्दा	■	बा	बू	■	ह	वा
र	ह	ना	■	ल	त	खो	र	■
■	वा	■	नौ	क	र	■	■	सा
भा	ई	■	का	■	■	बा	द	ल

पाकिस्तान ने दूसरे टी-20 में ऑस्ट्रेलिया को 90 रन से हराया, मैच में बने ये रिकॉर्ड्स

नई दिल्ली, 03फरवरी (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने दूसरे टी-20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम को 90 रनों से हरा दिया। इसी के साथ उसने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले ली। पहले मुकाबले में उसे 22 रन से शानदार जीत मिली थी। कंगारू टीम को जीत के लिए 199 रन का लक्ष्य मिला था। हालांकि, उनकी टीम 15.4 ओवर में 108 रन का स्कोर ही बना पाई। ऐसे में आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डालते हैं।

मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम के कप्तान आघा सलमान (76) और विकेटकीपर बल्लेबाज उस्मान खान (53) ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर टीम का स्कोर 198/5 तक ले गए। बाबर आजम (2) इस मैच में भी फ्लॉप रहे। जवाब में कंगारू टीम का कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। पाकिस्तान के स्पिन गेंदबाजों के सामने वो कुछ खास नहीं कर पाए। अबरार अहमद और शादाब खान ने 3-3 विकेट लिए।सलमान ने 40 गेंदों का सामना किया और 76 रन बनाए। उनके बल्ले से 8 चौके और 4 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 190 की रही। ये उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का छठा और कंगारू टीम के खिलाफ पहला ही अर्धशतक रहा। इस खिलाड़ी ने सिर्फ 25 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस खिलाड़ी ने 5 पारियों में 24 की औसत और 151.89 की स्ट्राइक रेट से 120 रन बनाए हैं।

उस्मान ने मैच में 36 गेंदों का सामना किया और 53 रन बनाए। उनके बल्ले से 4 चौके और 2 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 147.22 की रही। उस्मान के टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का यह दूसरा अर्धशतक रहा। इस खिलाड़ी ने अपने करियर के दोनों अर्धशतक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही लगाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस खिलाड़ी ने 5 पारियों में 134.02 की स्ट्राइक रेट से 130 रन बनाए हैं।

सलमान ने 25 गेंदों में अर्धशतक जड़कर टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पाकिस्तानी कप्तानों के लिए दूसरा सबसे तेज पचासा बनाया। इस मामले में पहला स्थान मोहम्मद हफीज के नाम है, जिन्होंने 2012 में भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ 23 गेंदों में अर्धशतक लगाया था।

पाकिस्तान के लिए अबरार ने 3 ओवर में सिर्फ 14 रन खर्च कर 3 विकेट चटकाए। उनकी इकॉनमी रेट 4.70 की रही। शादाब ने 4 ओवर में केवल 26 रन दिए और 3 विकेट अपने नाम किए। उनकी इकॉनमी रेट 6.50 की रही। इसके अलावा उस्मान तारिक ने 2.4 ओवर में सिर्फ 16 रन देकर 2 विकेट चटकाए। उन्होंने 6 की इकॉनमी से गेंदबाजी की। सैम अयूब और मोहम्मद नवाज को 1-1 सफलता मिली।उस्मान ने मैच में 36 गेंदों का सामना किया और 53 रन बनाए। उनके बल्ले से 4 चौके और 2 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 147.22 की रही। उस्मान के टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का यह दूसरा अर्धशतक रहा। इस खिलाड़ी ने अपने करियर के दोनों अर्धशतक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही लगाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस खिलाड़ी ने 5 पारियों में 134.02 की स्ट्राइक रेट से 130 रन बनाए हैं।

सूर्यकुमार यादव ने रोहित-विराट को छोड़ा पीछे, टी20 इंटरनेशनल में बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नईदिल्ली ,03फरवरी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज के पांचवें और आखिरी टी20 में 46 रनों से जीत दर्ज की. कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मैच में 30 गेंदों में छह छक्कों की मदद से 63 रनों की पारी खेलकर अहम भूमिका निभाई. इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने न सिर्फ भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई, बल्कि सबसे छोटे फॉर्मेट में सबसे तेज 3000 रन बनाने का मील का पत्थर भी हासिल किया. वह यह उपलब्धि सबसे कम गेंद खेलकर हासिल की है.भारतीय कप्तान ने यह मुकाम सिर्फ 1,822 गेंदों में हासिल किया, जिससे उन्होंने रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया. कोहली ने यह मुकाम 2169 गेंदों में हासिल किया था, जबकि हिटमैन ने इसे 2149 गेंदों में पूरा किया था. यूएई के मोहम्मद वसीम 3000 रन तक पहुंचने वाले सबसे तेज खिलाड़ी थे, जिन्होंने पहले यह उपलब्धि 1947 गेंदों में हासिल की थी. वहीं सबसे कम पारियां खेल कर इस मकाम तक पहुंचने वालों की लिस्ट में सूर्यकुमार यादव 7वें नंबर पर हैं. पहले नंबर पर पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान हैं, जिनके नाम 79 पारी में तीन हजार रन पूरे करने का रिकॉर्ड है. उसके बाद दूसरे नंबर पर भारतीय स्टार विराट कोहली हैं, जिन्होंने 81 इनिंग में ये कारनामा अंजाम दिया है.

जबकि पाकिस्तान के बाबर आजम को ये उपलब्धि हासिल करने के लिए 81 पारियां लगीं. इस सीरीज में सूर्यकुमार यादव को मैन ऑफ द सीरीज चुना गया क्योंकि वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे. उन्होंने पांच पारियों में 80.67 की औसत और 196.75 के स्ट्राइक रेट से 242 रन बनाए.

जिसमें तीन अर्धशतक भी शामिल थे. सूर्यकुमार का फॉर्म भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप में अहम होगा, जो 7 फरवरी से शुरू होगा. भारत अपने अभियान की शुरुआत यूएई के खिलाफ मैच से करेगा.

भारत-पाकिस्तान के कोचों से सजी यूएई की वर्ल्ड कप टीम

नईदिल्ली ,03फरवरी (एजेंसी)। यूएई ने अपनी 15 सदस्यीय टी20 वर्ल्ड कप टीम की घोषणा कर दी है. जिसमें स्टार बैटर मुहम्मद वसीम को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है. टीम में यूएई के 2022 में ऑस्ट्रेलिया में हुए पिछले टी20 वर्ल्ड कप में खेलने वाले तीन खिलाड़ी शामिल हैं. जिसमें मोहम्मद वसीम, अलीशान शराफू और जुनैद सिद्दीकी के नाम शामिल हैं. मोहम्मद वसीम पिछले तीन सालों से टीम की कप्तानी कर रहे हैं. वो अब तक अपने 92 इंटरनेशनल मैचों में से 66 में यूएई की कप्तानी कर चुके हैं.

इस बार यूएई की टीम में खिलाड़ियों से ज्यादा कोच का चर्चा हो रहा है, क्योंकि टीम के हेड कोच भारत के पूर्व खिलाड़ी लालचंद राजपूत हैं तो वहीं टीम के तेज गेंदबाजी कोच पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी यासिर अरफात हैं. इसके अलावा जिम्बाब्वे के स्टेनली चियोजा टीम के फील्डिंग कोच होंगे. लालचंद राजपूत भारत के लिए 2 टेस्ट और 4 वनडे मैच खेले हैं, जबकि फर्स्ट क्लास में उनके नाम 110 मैच है और लिस्ट ए में वो 61 मैच खेले हैं. वहीं पाकिस्तान के यासिर अराफात ने सभी फॉर्मेट में 27 इंटरनेशनल मैच खेले हैं और कई नेशनल टीमों व फ्रेंचाइजी को कोचिंग भी दे चुके हैं. बात दें कि यूएई की टीम इससे पहले 2014 और 2022 में टी20 वर्ल्ड कप खेल चुकी है,

लेकिन दोनों बार वो ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गए. यूएई ने पिछले साल ओमान में एशिया और ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालिफायर के सुपर सिक्स स्टेज में जापान को हराकर 2026 के वर्ल्ड कप में अपनी जगह पक्की की थी.

यूएई को वर्ल्ड कप के ग्रुप डी में न्यूजीलैंड, कनाडा, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के साथ रखा गया है. इसलिए इस बार भी उनका ग्रुप स्टेज से आगे बढ़ने का रास्ता आसान नहीं होने वाला है. वो टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत 10 फरवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच से करेंगे. उसके बाद वे नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में कनाडा (13 फरवरी), अफगानिस्तान (16 फरवरी) और दक्षिण अफ्रीका (18 फरवरी) से मुकाबला करेंगे.

ईशान किशन ने जड़ा अपने टी-20 करियर का पहला शतक, ये रिकॉर्ड्स बनाए

नईदिल्ली,03फरवरी (एजेंसी)।भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज ईशान किशन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ आखिरी टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में शानदार शतकीय पारी (103 रन) खेली। ये उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला ही शतक रहा, जिसे उन्होंने 42 गेंदों में पूरा किया। इस खिलाड़ी ने सीरीज के दूसरे मुकाबले में 76 रन बनाए थे।

ईशान ने ईश सोढ़ी के एक ओवर में 29 रन भी जड़ दिए। इस पारी के दौरान उन्होंने 1,000 टी-20 अंतरराष्ट्रीय रन भी पूरे किए।भारतीय टीम को पहला झटका 31 रन पर लगा था। संजू सैमसन सिर्फ 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गए थे। नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने आए ईशान ने 43 गेंदों का सामना किया और 103 रन बनाए। उनके बल्ले से 6 चौके और 3 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 239.53 की रही। उन्होंने कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ मिलकर 57 गेंदों में 137 रन जोड़ दिए। हार्दिक पांड्या के साथ इस खिलाड़ी ने 18 गेंदों में 48 रन की साझेदारी निभाई।ईशान टी-20 अंतरराष्ट्रीय में शतक जड़ने वाले भारत के 13वें बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले ये कारनामा रोहित शर्मा, सूर्यकुमार, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, तिलक सूर्यकुमार के बल्ले स 4 शतक निकले हैं।

व्यापार

बजट 2026: इनकम टैक्स, किसान सम्मान निधि और क्रिप्टोकरेंसी समेत इन चीजों पर बड़े ऐलान संभव

नई दिल्ली, 03फरवरी (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को बजट पेश करने जा रही हैं। ये उनका लगातार 9वां बजट होगा। आम आदमी से लेकर नौकरीपेशा और किसानों समेत तमाम वर्गों की बजट से बड़ी उम्मीदे हैं। ऐसे में संभव है कि वित्त मंत्री इनकम टैक्स, किसान सम्मान निधि, नई ट्रेनों और क्रिप्टोकरेंसी पर टैक्स को लेकर बड़ी घोषणाएं करें। आइए जानते हैं बजट में क्या संभावित घोषणाएं हो सकती हैं।

कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि बजट में मानक कटौती की सीमा 75,000 से बढ़ाकर एक लाख रुपये की जा सकती है। इससे नौकरीपेशा लोगों को 13 लाख रुपये तक की आय पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। अभी ये सीमा 12.75 लाख रुपये है। वर्तमान में 12 लाख तक की आय पर कोई टैक्स नहीं लगता है और 75,000 रुपये मानक कटौती का भी फायदा मिलता है।फिलहाल वर्चुअल डिजिटल एसेट्स या क्रिप्टोकरेंसी के लेनदेन पर इनकम टैक्स अधिनियम की धारा 115बीबीएच के तहत 30 प्रतिशत टैक्स लगता है। इसके अलावा सरचार्ज और सेस अलग से है। मौजूदा नियमों में वीडीए लेनदेन से होने वाले नुकसान को दूसरे वीडीए से होने वाले मुनाफे के साथ एडजस्ट करने की अनुमति भी नहीं है और न ही इन्हें अगले सालों के लिए बढ़ाया जा सकता है। क्रिप्टो पर 1 प्रतिशत टीडीएस को घटाकर 0.01 प्रतिशत किया जा सकता है।खबरें हैं कि सरकार प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना की राशि 6,000 रुपये से बढ़ाकर 9,000 रुपये कर सकती है। लंबे समय से इसकी मांग हो रही है और पिछले बजट में भी चर्चाएं थीं, लेकिन ऐलान नहीं हुआ। 2024 में संसदीय समिति ने भी राशि को 12,000 रुपये करने की सिफारिश की थी। करीब 11 करोड़ किसानों का इसका फायदा मिलेगा। हालांकि, सरकार पर अतिरिक्त 30,000 करोड़ रुपये का बोझ पड़ सकता है।सरकार ने 2030 तक ट्रेनों के आरक्षण से वेटिंग खत्म करना का लक्ष्य रखा है। इसे देखते हुए चर्चाएं हैं कि बजट में करीब 300 अमृत भारत और वंदे भारत ट्रेनों का ऐलान हो सकता है। रेलवे के करोड़ों यात्रियों को इसका फायदा होगा। खासतौर पर त्योहारी सीजन के दौरान घर जाने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। पिछले बजट में भी रेलवे को सबसे बड़ा हिस्सा दिया गया था।प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत 2 किलोवाट तक के सोलर सिस्टम पर सब्सिडी को 30,000 रुपये प्रति किलोवाट से बढ़ाकर 40,000 रुपये किया जा सकता है। आयुष्मान भारत योजना का दायरा बढ़ाया जा सकता है। फिलहाल 70 साल से ज्यादा उम्र के सभी बुजुर्ग योजना के दायरे में आते हैं। इसे कम कर 60 साल किया जा सकता है। सालाना मुफ्त इलाज की लिमिट भी बढ़ाई जा सकती है।सैंक्टम वेल्थ के निवेश उत्पादों के प्रमुख आलेख यादव ने कहा, सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक दोनों ने कंजम्पशन और आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा देने के लिए पर्सनल इनकम टैक्स में कटौती, जीएसटी को आसान बनाने, 8वें वेतन आयोग और ब्याज दर में कटौती जैसे उपाय पहले ही लागू कर दिए हैं। सरकार बजट में राजकोषीय मजबूती की योजना पर कायम रहेगी और उसके पास किसी भी अतिरिक्त उपाय के लिए ज्यादा गुंजाइश नहीं होगी। इसलिए, बड़ी घोषणा की उम्मीद नहीं है।

अमेजन हजारों कर्मचारियों की छंटनी के बाद ओपनएआई में बड़े निवेश की कर रही तैयारी

नईदिल्ली ,03फरवरी (एजेंसी)। अमेजन ने हाल ही में हजारों कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया है। इस बीच अब कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर बड़ा दांव लगाने की तैयारी कर रही है। वॉल स्ट्रीट जनरल के मुताबिक, अमेजन ओपनएआई में करीब 50 अरब डॉलर (लगभग 4,600 अरब रुपये) तक निवेश करने को लेकर बातचीत कर रही है। यह बातचीत ऐसे समय हो रही है, जब कंपनी लागत घटाने के साथ-साथ भविष्य की तकनीक में निवेश बढ़ाने की रणनीति अपना रही है।

अमेजन ने पुष्टि की है कि वह करीब 16,000 कॉर्पोरेट कर्मचारियों की नौकरियां खत्म करेगी। इससे पहले अक्टूबर में भी बड़े स्तर पर छंटनी हो चुकी है। इसके बावजूद कंपनी एआई को अपने भविष्य का अहम आधार मान रही है। अमेजन का मानना है कि आने वाले वर्षों में एआई न सिर्फ उसके बिजनेस मॉडल को बदलेगा, बल्कि कस्टमर सर्विस, लॉजिस्टिक्स और इंटरनल सिस्टम को भी ज्यादा तेज और असरदार बनाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एंडी जेस्सी खुद ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन के साथ इस निवेश बातचीत को आगे बढ़ा रहे हैं। अगर यह डील पूरी होती है, तो अमेजन ओपनएआई के सबसे बड़े निवेशकों में शामिल हो सकता है। इससे पहले भी अमेजन की क्लाउड यूनिट अमेजन वेब सर्विसेज और ओपनएआई के बीच अरबों डॉलर की सर्विस डील हो चुकी है, जो दोनों कंपनियों के रिश्ते को और मजबूत करती है।

अमेजन ने एआई में निवेश के लिए सिर्फ ओपनएआई पर निर्भर रहने का फैसला नहीं किया है। कंपनी पहले ही एंथ्रोपिक नाम की एआई फर्म में करीब 8 अरब डॉलर (लगभग 700 अरब रुपये) लगा चुकी है। इसके अलावा, अमेजन बड़े डाटा सेंटर्स और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी भारी खर्च कर रही है। इससे साफ है कि भले ही नौकरियां कम हो रही हों, लेकिन अमेजन का भविष्य एआई पर टिकता नजर आ रहा है।

सोने-चांदी की कीमतों में बंपर गिरावट, एक झटके में चांदी 1.28 लाख और सोना 33,000 हुआ सस्ता

नईदिल्ली ,03 फरवरी (एजेंसी)। कीमती धातुओं के बाजार में शुक्रवार को जबरदस्त भूचाल देखने को मिला. रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद सोना और चांदी दोनों की कीमतों में एक ही दिन में भारी गिरावट दर्ज की गई. जहां चांदी की कीमत एक लाख रुपये प्रति किलो से ज्यादा टूट गई, वहीं सोना भी 10 ग्राम पर 33 हजार रुपये से अधिक सस्ता हो गया.मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी ने गुरुवार को तेज उछाल के साथ इतिहास में पहली बार 4 लाख रुपये प्रति किलो का स्तर पार किया था. गुरुवार को चांदी 4,20,048 रुपये प्रति किलो के उच्चतम स्तर तक पहुंची, लेकिन शुक्रवार को वायदा कारोबार में जोरदार गिरावट देखने को मिली.5 मार्च एक्सपायरी वाली चांदी का भाव गिरकर 2,91,922 रुपये प्रति किलो पर बंद हुआ. इस तरह चांदी एक ही दिन में 1,07,971 रुपये प्रति किलो टूट गई. अगर चांदी के उच्चतम स्तर की बात करें, तो अपने रिकॉर्ड हाई से यह महज एक दिन में 1,28,126 रुपये प्रति किलो सस्ती हो गई. तेज तेजी के बाद आई इस गिरावट ने निवेशकों को हैरान कर दिया.चांदी के साथ-साथ सोने की कीमतों में भी तेज गिरावट दर्ज की गई. एमसीएक्स पर 2 अप्रैल एक्सपायरी वाला 24 कैरेट सोना गुरुवार को 1,83,962 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था. शुक्रवार को कारोबार खत्म होने तक यह गिरकर 1,50,849 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया. यानी सोना एक ही दिन में 33,113 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता हो गया.

गुरुवार को ही सोने ने 1,93,096 रुपये प्रति 10 ग्राम का अपना ऑल टाइम हाई बनाया था. इसके बाद आई तेज गिरावट के चलते सोना अपने उच्चतम स्तर से 42,247 रुपये प्रति 10 ग्राम टूट गया.अमेरिका में फेडरल रिजर्व के नए चेयरमैन के रूप में केविन वार्श के नामांकन के बाद सख्त मौद्रिक

नीति की उम्मीद बढ़ी. इससे डॉलर मजबूत हुआ और सोना-चांदी कमजोर पड़े. ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में केविन वॉर्श की तारीफ करते हुए उन्हें ग्रेट बताया और कहा कि वह निवेशकों को कभी निराश नहीं करेंगे. केविन वॉर्श पहले फेड रिजर्व के गवर्नर रह चुके हैं. उन्हें महंगाई के खिलाफ सख्त रुख अपनाने वाला माना जाता है.

केविन वॉर्श के फेड रिजर्व का अगला चीफ बनने की खबर आते ही डॉलर इंडेक्स मजबूत होने लगा. इसके बाद निवेशकों ने कीमती धातुओं से पैसा निकालकर शेयर बाजारों और डॉलर में लगाना शुरू कर दिया. बस बुलियन मार्केट के बुलबुले की हवा निकलनी शुरू हो गई.

एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस गिरावट के पीछे केवल ट्रंप का ऐलान ही नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर मुनाफावसूली भी जिम्मेदार है. पिछले कई हफ्तों से सोना और चांदी लगातार नई ऊंचाइयां बना रहे थे. ऐसे में निवेशकों को प्रॉफिट बुक करने का सही मौका मिल गया. डॉलर की मजबूती और ब्याज दरों को लेकर सख्त संकेतों ने बुलियन की चमक को फीका कर दिया.

विशेषज्ञों का कहना है कि चांदी में सोने की तुलना में उतार-चढ़ाव ज्यादा होता है. रिकॉर्ड तेजी के बाद चांदी में मुनाफावसूली भी ज्यादा देखने को मिली.गुरुवार को ही सोने ने 1,93,096 रुपये प्रति 10 ग्राम का अपना ऑल टाइम हाई बनाया था. इसके बाद आई तेज गिरावट के चलते सोना अपने उच्चतम स्तर से 42,247 रुपये प्रति 10 ग्राम टूट गया.अमेरिका में फेडरल रिजर्व के नए चेयरमैन के रूप में केविन वार्श के नामांकन के बाद सख्त मौद्रिक नीति की उम्मीद बढ़ी. इससे डॉलर मजबूत हुआ और सोना-चांदी कमजोर पड़े. ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में केविन वॉर्श की तारीफ करते हुए उन्हें ग्रेट बताया और कहा कि वह निवेशकों को कभी निराश नहीं करेंगे. केविन वॉर्श पहले फेड रिजर्व के गवर्नर रह चुके हैं. ।

बिल गेट्स ने रूसी लड़कियों से संबंध के आरोपों का किया खंडन

नईदिल्ली ,03फरवरी (एजेंसी)। दिवंगत यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जुड़े दस्तावेजों में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स को लेकर सनसनीखेज खुलासा किया गया है। अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी की गई फाइल्स में शामिल कुछ ईमेल ड्राफ्ट्स में आरोप लगाया गया है कि गेट्स ने रूसी महिलाओं के साथ संबंध बनाए और कथित तौर पर एक यौन संचारित रोग से संक्रमित हुए। गेट्स के प्रवक्ता की ओर से इन आरोपों का खंड़न करते हुए उन्हें बदनाम करने की साजिश बताया है।न्याय विभाग ने कहा है कि उसने एपस्टीन से संबंधित 30 लाख से अधिक पृष्ठों की जांच सामग्री, साथ ही 2,000 से अधिक वीडियो और 1.8 लाख तस्वीरें जारी की हैं। विवाद ईमेल 18 जुलाई, 2013 से जुड़ा है और ऐसा लगता है कि ये एपस्टीन द्वारा लिखे गए ड्राफ्ट मैसेज हैं, जिनमें से कुछ गेट्स के तत्कालीन सलाहकार बोरिस निकोलिक की आवाज में हैं। उनमें गेट्स पर रूसी लड़कियों के साथ संबंध बनाने और एसटीडी होने का आरोप लगाया।ये दावे एपस्टीन द्वारा 2013 में भेजे गए ईमेल्स में दर्ज हैं, जिन्हें सार्वजनिक किया गया। इनमें दावा किया कि गेट्स ने एंटीबायोटिक्स की व्यवस्था करने को कहा था, ताकि वे चुपचाप अपनी पत्नी को दे सकें। इन खुलासों का खंड़न करते हुए उनके प्रवक्ता ने कहा, ये आरोप पूरी तरह से बेतुके और झूठे हैं। ये दस्तावेज केवल यह दिखाते हैं कि एपस्टीन, गेट्स से संबंध टूटने से नाराज था और बदनाम करने की कोशिश कर रहा था।और 1.8 लाख तस्वीरें जारी की हैं। विवाद ईमेल 18 जुलाई, 2013 से जुड़ा है और ऐसा लगता है कि ये एपस्टीन द्वारा लिखे गए ड्राफ्ट मैसेज हैं, जिनमें से कुछ गेट्स के तत्कालीन सलाहकार बोरिस निकोलिक की आवाज में हैं। उनमें गेट्स पर रूसी लड़कियों के साथ संबंध बनाने और एसटीडी होने का आरोप लगाया।

सप्ताहभर के भीतर दो डिग्री तक बढ़ सकता है तापमान, दूसरे हफ्ते से महसूस होने लगेगी गर्मी

धीरे-धीरे चढ़ता जाएगा दिन का पारा, बारिश नहीं होने से राहत के आसार नहीं

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शहर का न्यूनतम तापमान इस माह सप्ताहभर में एक से दो डिग्री तक बढ़ सकता है। वहीं, अधिकतम तापमान में भी सामान्य से एक से दो डिग्री तक की बढ़ोत्तरी रिकॉर्ड होने की संभावना है। बदली-बारिश के आसार नहीं है। वहीं, दूसरे सप्ताह से तापमान में और बढ़ोतरी होने से गर्मी महसूस होने लगेगी।

फरवरी के दो दिनों में शहर का अधिकतम व न्यूनतम तापमान बढ़ा हुआ दर्ज हुआ है। इसमें 1 फरवरी को अधिकतम तापमान 29 डिग्री तो न्यूनतम तापमान 15 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। ये सामान्य से अधिक रहा। 2 फरवरी यानी सोमवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो कि सामान्य से 2 डिग्री अधिक रहा। छत्तीसगढ़ के मौसम को लेकर पूर्वानुमान जारी किया गया है। इसके मुताबिक फरवरी में इस बार अधिकतम के साथ ही न्यूनतम तापमान एक से तीन डिग्री तक ज्यादा रह सकता है। इस सप्ताह बारिश की संभावना नहीं है, जबकि अधिकतम के साथ ही न्यूनतम तापमान में रोज ही थोड़ी-थोड़ी बढ़ोत्तरी होगी। जिले के मौसम में अभी भी उतार-चढ़ाव जारी है। इसकी वजह से रात के समय और सुबह हल्की ठंड पड़ रही है। सोमवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह 2 से 3 डिग्री फिर गिरावट हो सकती है। दिन में धूप चुभने लगी है, लेकिन शहर के बाहर अभी भी शाम होते ही ठंड शुरू हो जाती है। मौसम विभाग के अनुसार आगे न्यूनतम तापमान में 2 डिग्री की गिरावट आ सकती है। इसके आगे शनिवार तक न्यूनतम तापमान 10 डिग्री पर पहुंच सकता है। इस वजह से रात के समय हल्की ठंड रहेगी। अधिकतम तापमान अभी 31 से 33 डिग्री के बीच रहेगा। इसके बाद फिर से तापमान में बढ़ोतरी होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में शहर के बजाय अधिक ठंड पड़ रही है। कोसाबाड़ी से आगे और बालको क्षेत्र में रात के समय ठंड अधिक लगती है। अगले सप्ताह से मौसम में बदलाव होगा। इसके बाद ठंड का असर समाप्त हो जाएगा।

ट्रेलर और प्याज लोड वाहन में जोरदार भिड़ंत

केबिन में फंसकर चालक की मौत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोरबा चांपा मुख्य मार्ग पर ग्राम पंचायत पताढ़ी के पास मंगलवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। कोरबा की ओर से आ रही ट्रेलर क्रमांक सीजी04 पीजी 4336 कथित रूप से रॉन्ग साइड में चल रही थी। इसी दौरान उसकी आमने-सामने टक्कर चांपा की ओर से आ रही प्याज लोड डाला बॉडी क्रमांक सीजी 07 सीआर 8677 से हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि डाला बॉडी का चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। राहत दल ने गैस कटर की मदद से केबिन काटकर चालक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। वहीं ट्रेलर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। हादसे के बाद कुछ समय तक मुख्य मार्ग पर

यातायात बाधित रहा, जिसे पुलिस ने नियंत्रित किया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और हादसे के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

हत्या का प्रयास करने वाले को चार साल का कारावास

प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश के न्यायालय ने दिया फैसला

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जमीन पर कब्जे को लेकर उपजे विवाद में युवक ने ग्रामीण पर टंगिया से प्राणघातक हमला कर दिया। हमले में ग्रामीण को गंभीर चोटें आई। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास की धारा के तहत कार्रवाई की। मामले में दोषसिद्ध होने पर दोषी को चार साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है। यह फैसला प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश कटघोरा के न्यायालय ने दिया है।

अतिरिक्त लोक अभियोजक कटघोरा संजय जायसवाल के मुताबिक घटना चैतमा पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम बाइसेमर के घटित हुई थी। यहां रहने वाले योगेश यादव 33 वर्ष का जमीन विवाद गांव के ही राजेश यादव के साथ चला आ रहा था। योगेश ने अपनी जमीन पर कब्जा करने की बात कहते हुए राजेश यादव पर टंगिया से जानलेवा हमला कर दिया। घटना में गंभीर राजेश को इलाज के लिए अस्पताल दाखिल कराया गया। मामले की सूचना राजकुमार यादव ने पुलिस चौकी पहुंचकर की। पुलिस ने हत्या के प्रयास की धारा 307 के तहत जुर्म पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामले की सुनवाई प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश कटघोरा मधु तिवारी के न्यायालय में चल रही थी। सुनवाई के दौरान आरोपी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य व सबूत पेश किया गया। जिससे आरोपी के खिलाफ दोषसिद्ध हो गया। कोर्ट ने दोषी को चार साल सश्रम कारावास व एक हजार अर्थदंड से दंडित किया है। अर्थदंड अदा नही करने पर दोषी को एक माह अतिरिक्त कारावास भुगतनी होगी।

पुलिस महानिरीक्षक ने थाना व चौकी प्रभारियों की ली क्राइम मीटिंग

बीट सिस्टम को सुदृढ़ करने व जनता की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई के दिए निर्देश

कोरबा (छ.ग.गौरव)। पुलिस महानिरीक्षक बिलासपुर रेंज रामगोपाल गर्ग कोरबा प्रवास पर रहे। प्रवास के दौरान पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभाकक्ष में मीटिंग का आयोजन किया गया।

उक्त क्राइम मीटिंग में पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कटघोरा नीतिश ठाकुर सहित जिले के तीनों अनुभागों के अनुविभागीय अधिकारी पुलिस तथा समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों की उपस्थिति रही। क्राइम मीटिंग के दौरान पुलिस महानिरीक्षक द्वारा कानून-व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि

बीट सिस्टम को सुचारू एवं प्रभावी रूप से संचालित किया जाए। आम नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें। चोरी एवं संपत्ति संबंधी अपराधों में घटना के दिन ही एफआईआर दर्ज किया जाए। संपत्ति संबंधी अपराधों में त्वरित विवेचना की जाए। थाना प्रभारी द्वारा स्वयं शिकायत सुनकर एफआईआर दर्ज करने साथ ही संगठित गिरोह द्वारा किये जाने अपराध में संगठित अपराध की धारा जोड़ने सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर आवश्यक निर्देश प्रदान किए। क्राइम मीटिंग के पश्चात श्री गर्ग द्वारा सशक्त मोबाइल ऐप का विमोचन किया गया। उक्त मोबाइल ऐप पुलिस प्रशासन द्वारा चोरी गए वाहनों की पतासाजी के लिए संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सशक्त मोबाइल ऐप को जिले के समस्त पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को उपयोग के लिए उपलब्ध कराया गया है। इस ऐप के माध्यम से लावारिस खड़ी मोटरसाइकिलों एवं वाहनों की जानकारी आसानी से सर्च की जा सकती है, जिससे चोरी गए वाहनों की पहचान एवं बरामदगी में सहायता मिलेगी। पुलिस महानिरीक्षक द्वारा तकनीक के अधिकतम उपयोग पर जोर देते हुए निर्देशित किया गया कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी सशक्त मोबाइल ऐप का नियमित एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करें। पुलिस द्वारा पुलिसिंग को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने भविष्य में भी इसी प्रकार के प्रयास निरंतर जारी रखने निर्देशित किया।

यूथ हॉस्टल ने जाना प्रकृति संरक्षण

कोरबा (छ.ग.गौरव)। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया की कोरबा यूनिट ने इस वर्ष का प्रथम साहसिक ट्रैकिंग कार्यक्रम जिले के मदनपुर क्षेत्र में आयोजित किया। लगभग 90 सदस्यों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया। राजा नहकान नदी में वॉटर स्पोर्ट्स के साथ देवगुड़ी में ट्रेकिंग व आसपास की प्रकृति और उसके तत्वों को जानने का काम इस यात्रा में किया गया।

पर्यावरण जागरूकता पर केंद्रित एक यादगार सामुदायिक आयोजन था। राज्य चेयरमैन संदीप सेठ के नेतृत्व में और शिव कुमारी, त्रिभुवन, कल्पना, सुमन, दीपेश, आशीष खंडेलवाल, ए वाई तोमर, मालती जोशी सहित अन्य टीम सदस्यों के पूर्ण सहयोग से कार्यक्रम में देवगुड़ी का भ्रमण, जल खेल, पारंपरिक शारीरिक खेल, माइंड गेम्स, तथा अन्य गतिविधियाँ शामिल थीं। अध्यक्ष सतीश शुक्ला ने मुख्य अतिथि प्रदीप जोशी, गंगाराम पटेल श्रीमती अन्ना का स्वागत किया। पी एल मिरेंद्र और त्रिभुवन कौशील को युवा हॉस्टल आंदोलन में उनके समर्पित योगदान के लिए उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। विभिन्न खेलों के विजेताओं को पुरस्कार दिए गए, जिससे उत्सव का माहौल और भी उत्साहपूर्ण हो गया। संजीव कंसल मुख्य अभियंता एवं कोरबा इकाई के संरक्षक ने पूरी टीम को कार्यक्रम की सफलता के लिए बधाई दी। निकिता, मयंक, अजित, अरविंद, विकास, एम एल शर्मा, नवीन मणिक, गुरुपंच, देवी शंकर, धीरज, दीपा, अमृता सहित अन्य सक्रिय सदस्यों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य विषय जीरो फूड वेस्ट, मिशन नो लिटर तथा व्यापक सामाजिक कार्य रहा, जिसमें इकाई ने पूरे दिन शून्य-अपशिष्ट और स्थिरता को बढ़ावा देकर उल्लेखनीय परिणाम हासिल किए। चेयरमैन संदीप सेठ ने बताया कि कोरबा इकाई निरंतर नदी ट्रेकिंग, पर्यावरणीय पहल जैसी गतिविधियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ में युवा विकास, साहसिक कार्य और सामुदायिक सेवा को प्रोत्साहित करने के प्रयास जारी रखे हुए है। इकाई सचिव शैलेन्द्र ने सभी को धन्यवाद दिया।

मोबाइल नंबर बदलकर एफडी से 7.10 लाख रुपए पार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। एक व्यक्ति की मौत के बाद नॉमिनी की बिना जानकारी के बैंक में रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर बदलकर एफडी से 7.10 लाख रुपए पार कर दिए गए। मामले में पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है। दीपका थाना अंतर्गत रंजना निवासी मेवा लाल जायसवाल का यूनियन बैंक की चैतमा शाखा में खाता था, जहां उन्होंने 19 अप्रैल 2024 एक साल के लिए 8 लाख की एफडी कराई थी। परिपक्वता तिथि 23 मई 2025 थी, लेकिन 3 माह पहले ही मेवा लाल की मौत हो गई। मेवा लाल ने एफडी में नॉमिनी अपने पोते अचर्व जायसवाल को बनाया था। एफडी की जानकारी होने पर परिवार के साथ अर्चव डेढ़ माह पहले बैंक पहुंचा तो उनके होश उड़ गए, क्योंकि बैंक खाते का रजिस्ट्रेशन नंबर बदलकर एफडी की रकम से 7.10 लाख रुपए निकाल लिए गए थे, जबकि नॉमिनी बैंक पहुंचा ही नहीं था। परिवार ने दीपका थाना में रिपोर्ट लिखाते हुए बैंक कर्मचारियों की मिलीभगत से उक्त रकम पार होने की आशंका जताई है।

पोटापानी में टीम ने रुकवाया बाल विवाह

टीम ने गांव पहुंचकर दी समझाइश

कोरबा (छ.ग.गौरव)। महिला एवं बाल विकास विभाग की पाली परियोजना के ग्राम पोटापानी में बाल विवाह होने का एक मामला सामने आने पर विभागीय अमले ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे रुकवा दिया है। मामले में सूचना मिली थी कि जिस लड़के की शादी तय हुई है वह नाबालिग है। मौके पर टीम ने पहुंचकर दस्तावेजों की जांच करते हुए शिकायत सही पाए जाने की पुष्टि की। पुष्टि के उपरांत पर्यवेक्षक, आईसीपीएस टीम एवं थाना प्रभारी पाली के संयुक्त दल ने मौके पर पहुंचकर हस्तक्षेप किया गया। संयुक्त दल द्वारा संबंधित परिवारजनों एवं ग्रामीणों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों की जानकारी दी गई तथा बाल विवाह के कानूनी दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। दल के प्रयासों से नाबालिक बालक का विवाह सफलतापूर्वक रुकवाया गया। साथ ही परिवार को यह स्पष्ट रूप से समझाया गया कि बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि इससे बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। संबंधित पक्षों को भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति न करने हेतु समझाइश दी गई एवं आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया गया। इस दौरान पर्यवेक्षक ज्योति सोनी, पुलिस विभाग से एएसआई हुसैन खान और आरक्षक हेमंत कुर्रे, पंचायत सचिव कृष्णा यादव, चाइल्ड लाइन से अमित खैरवार उपस्थित थे।

टिकट काउंटर पर ऑनलाइन पेमेंट का झमेला

कोरबा (छ.ग.गौरव)। रेलवे ने यात्रियों के लिए आरक्षित और अनारक्षित टिकट के लिए काउंटर पर ऑनलाइन पेमेंट की सुविधा दे रखी है। अब यह सुविधा उन यात्रियों के लिए तो काफी फायदेमंद साबित हो रही है, जो मोबाइल से पेमेंट करते हैं और वे परेशान हो रहे हैं, जो अभी भी इस सुविधा से दूर हैं। ऐसे लोग काउंटर पर कैश लेकर जाते हैं तो उन्हें भटकना पड़ता है। अब काउंटर पर सेवारत कर्मचारी के ऊपर निर्भर करता है कि वह कैश लेकर टिकट देगा या नहीं। चेंज की समस्या को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। कभी-कभी लोगों की शिकायत रहती है कि कर्मचारी बची हुई राशि वापस नहीं करते हैं। कोरबा रेलवे स्टेशन में लंबी दूरी की ट्रेनों में रिजर्वेशन कराने ऑनलाइन भुगतान की सेवा अनिवार्य कर दी है। वहीं अनारक्षित टिकट के लिए दोनों तरह की सुविधा काउंटर से मिल रही है। है। लंबी दूरी की यात्रा के लिए काउंटर से रिजर्वेशन करने वाले वे यात्री जिनके अकाउंट में पर्याप्त बैलेंस नहीं होता है और वे कैश लेकर पहुंचते हैं, उनको राहत नहीं मिल पाती है। ऐसे यात्रियों को काउंटर पर सेवा दे रहे कर्मचारी से रिक्वेस्ट तक करनी पड़ती है। कभी-कभी तो विवाद की भी स्थिति बन जाती है।

अजीबोगरीब बाइक देखकर हैरान हुई पुलिस, वाहन स्वामी पर ठोंका 15 हजार रुपए जुर्माना

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में एक 'अजीबोगरीब' मॉडिफाइड बाइक को पुलिस ने जब्त किया है। यह बाइक इतनी अनोखी थी कि पुलिस भी इसे देखकर हैरान रह गई। इसका मॉडल या निर्माता कंपनी पहचानना मुश्किल था। बाइक के मालिक ने इसे खुद अपनी कलाकारी से पूरी तरह मॉडिफाई किया था। इसकी बनावट इतनी विचित्र थी कि दूर से यह पहचानना मुश्किल था कि यह कौन सा वाहन है। मालिक ने इस पर 'उड़ता परिंदा' स्लोगन भी लिखवाया था। शहर की सड़कों पर घूम रही इस बाइक पर रामपुर सिविल लाइन थाना पुलिस की नजर पड़ी। यातायात नियमों का उल्लंघन और बिना वैध अनुमति के मॉडिफाई की गई इस बाइक को पुलिस ने तुरंत रोक लिया। पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया और इसके मालिक पर 15,000 रुपए का जुर्माना लगाया। पुलिस ने ने बताया कि उन्हें सड़क पर तेज गति से फर्राटे भर रही इस बाइक की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर घेराबंदी कर वाहन को पकड़ा और मालिक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की। उन्होंने यह भी बताया कि मॉडिफाइड गाड़ियों, कानफोड़ू साइलेंसर, तेज हॉर्न और ब्लैक फिल्म वाले वाहनों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623